संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 157
पृष्ठ 8
बुधवार
25 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– शादी से पहले इंस्टेंट ग्लोयिंग स्किन...

विचार– बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारने...

खेल– विंडीज की बड़ी जीत से भारत...

अलंकरण समारोह में पाँच साहित्यकार कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2026 हुए सम्मानित

प्रयागराज। साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र 'शहर समताश की सहयोगी साहित्यिक संस्था 'शहर समता विचार मंचश द्वारा 24 फरवरी 2026 को सारस्वत सभागार, लूकरगंज में 'कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मानश– 2026 समारोह सम्पन्न हुआ। इस समारोह में हिंदी साहित्य– साधकों की कृति पर अलग–अलग विधाओं के पांच साहित्यकार सम्मानित हुए। सम्मानित होने वाले साहित्यकारों में उपन्यासकार अभिनव सिन्हा, कहानीकार प्रो० रवि कुमार मिश्रा, आलोचक डॉ० जी गणेशन मिश्र, नाट्यकार डॉ० राहुल शुक्ला 'साहिलश, कवि धीरज श्रीवास्तव को संस्था साहित्य सम्मानों से विभूषित हुए।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मारूफ शायर अनवार अब्बास रहे तथा मुख्य अतिथि ऊषा मिश्रा और विशिष्ट अतिथि डॉ० कल्पना वर्मा तथा उपन्यासकार रंजन पाण्डेय रहे। सम्मानित रचनाकारों ने कृति से संबंधित उस बात को सबसे साझा किया कि कृति लिखने से पूर्व रचनाकार अनुभूतियों के उस संसार में रहता है जहाँ घर–परिवार, समाज के विचारों की जमीन पर आँसू, हर्ष और विशाद मौजूद रहते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में अनवार अब्बास ने कहा कि 'शहर समताश द्वारा पाँच विधाओं की कृतियों को अलंकृत करना अद्वितीय कार्य है। साहित्य की सभी विद्या साहित्य की वह मजबूत कड़ी है जो पाठकों को उनके अनुसार पठनीय सामग्री प्रदान कराती है तथा नयी पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। ऊषा मिश्रा ने कहा कि साहित्यिक पुस्तक का सम्मान साहित्य जगत की अति अनिवार्य आवश्यकता है जो साहित्यकार के लिए प्रेरणा प्रोत्साहन का काम करता है। कल्पना वर्मा ने कहा कि संस्था के कार्य की सराहना की। कार्यक्रम का संचालत उमेश श्रीवास्तव ने किया ,अंत में डॉ प्रदीप चित्रांशी ने आभार व्यक्त किया।

बंगाल में आचार संहिता लागू होने से पहले ही तैनात होगी सीआरपीएफ

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोग ने राज्य पुलिस को निर्देश दिया है कि वह जल्द से जल्द संवेदनशील इलाकों की पहचान करे। आयोग चाहता है कि यह काम मार्च के दूसरे सप्ताह तक पूरा हो जाए। इन इलाकों की पहचान के आधार पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की योजना बनाई जाएगी। चुनाव से पहले ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि मतदान तिथियों की घोषणा और आचार संहिता लागू होने से पहले ही सीएपीएफ की तैनाती कर दी जाएगी। आयोग ने 480 कंपनियां भेजने का फैसला किया है। इनमें से 240 कंपनियां एक मार्च को और बाकी 240 कंपनियां 10 मार्च को तैनात की जाएंगी। इन बलों का उपयोग केवल बैठकर इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि इलाके में शुरुआती दबदबा बनाने के लिए किया जाएगा।

आयोग ने राज्य पुलिस से कहा है कि वह संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों की सूची जल्द तैयार करे। इन इलाकों में पिछले चुनावों में हिंसा या तनाव की घटनाएं सामने आई थीं। इन्हीं क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की अधिक तैनाती की जाएगी। केंद्रीय पर्यवेक्षकों को भी इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी का जिम्मा दिया गया है। उन्हें रोजाना रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजनी होगी। पहले चरण में एक मार्च को 240 कंपनियां तैनात होंगी। इनमें 110 कंपनियां सीआरपीएफ की, 55 बीएसएफ की, 21 सीआईएसएफ की, 27 आईटीबीपी की और 27 एसएसबी की होंगी। दूसरे चरण में 10 मार्च को 240 और कंपनियां भेजी जाएंगी। इनमें 120 कंपनियां सीआरपीएफ, 65 बीएसएफ, 16 सीआईएसएफ, 20 आईटीबीपी और 19 एसएसबी की होंगी। कुल मिलाकर 480 कंपनियां राज्य के अलग–अलग हिस्सों में तैनात रहेंगी।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि बलों की आवाजाही और तैनाती का समन्वय सीआरपीएफ करेगी। राज्य सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह केंद्रीय बलों और उनके समन्वय अधिकारियों के साथ मिलकर विस्तृत योजना तैयार करे। यह भी तय किया गया है कि बलों को खाली नहीं बैठाया जाएगा, बल्कि क्षेत्र में फ्लैग मार्च और एरिया डोमिनेशन कराया जाएगा। चुनाव आयोग का मानना है कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए पहले से सुरक्षा तंत्र मजबूत होना जरूरी है।

भोपाल की किसान चौपाल में राहुल गांधी का बयान

युद्ध का फैसला राजनीतिक होता है, सैन्य नहीं

भोपाल,एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जवाहर चौक पर कांग्रेस ने किसान महाचौपाल बुलाई है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अंतरराष्ट्रीय समझौते के जरिए देश के किसानों के हितों से समझौता किया। उन्होंने कहा कि यह डील चार महीने तक रुकी हुई थी और कृषि से जुड़े मुद्दों पर बातचीत ठप पड़ी थी। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने इस दौरान संबंधित मंत्रियों से कोई चर्चा नहीं की और अचानक फैसला ले लिया। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार नहीं चाहती थी कि अमेरिका की बड़ी कंपनियां सोया, कपास और मक्का जैसे कृषि उत्पाद भारत में बेचें, क्योंकि इससे भारतीय किसानों को नुकसान हो सकता था। उनके अनुसार, चार महीने तक बातचीत रुकी रही, लेकिन उनके भाषण के बाद प्रधानमंत्री ने बिना कैबिनेट से चर्चा किए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कर समझौते के लिए सहमति दे दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों को कमजोर किया और उनका डेटा तक बाहर दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से टेक्सटाइल इंडस्ट्री भी प्रभावित हुई है। राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे की संस्मरण पुस्तक को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि युद्ध में जाने का निर्णय सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक होता है। किसान चौपाल कार्यक्रम में बोलते हुए राहुल ने कहा कि सेना अपना कर्तव्य निभाती है, लेकिन युद्ध का अंतिम निर्णय राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिया जाता है। उन्होंने इस संदर्भ में पूर्व सेना प्रमुख की किताब में उठाए गए मुद्दों का उल्लेख किया। किसी भी देश में युद्ध जैसे गंभीर विषय पर निर्णय लेने की जिम्मेदारी निर्वाचित सरकार और राजनीतिक नेतृत्व की होती है, जबकि सेना उस निर्णय को लागू करने का कार्य करती है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

राहुल गांधी ने कहा कि अब सरकार यह कह रही है कि बांग्लादेश की मदद की जाएगी और टेक्सटाइल सेक्टर में जीरो प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। उनका दावा है कि यदि भारत अमेरिका से कपास खरीदेगा तो उस पर भी जीरो टैक्स लागू होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि हर साल भारत को अमेरिका से भारी मात्रा में आयात करना पड़ेगा, तो इससे देश की घरेलू इंडस्ट्री पर क्या असर पड़ेगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह निर्णय दबाव में लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने समझौते में सब कुछ दे दिया, लेकिन बदले में देश को क्या मिला, यह स्पष्ट नहीं है। उनके मुताबिक, पहले की तुलना में अब भारत को ज्यादा टैक्स देना पड़ेगा और आयात की कोई ठोस गारंटी भी नहीं मिली है। राहुल गांधी ने कहा कि यह सब अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को बचाने के लिए किया गया है। लेकिन इससे न तो किसानों को फायदा होगा और न ही देश की इंडस्ट्री को। उन्होंने दावा किया कि इस तरह के फैसलों से देश की अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हितों से समझौता किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और आरएसएस के कार्यकर्ताओं के मन में भी यह बात है कि नरेंद्र मोदी पर दबाव है। उनकी आंखों में देखिए, आपको समझ आएगा कि उन्हें दो तरफ से घेरा गया है और वे फंसे हुए हैं।

राहुल गांधी ने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ फैसलों को रद्द करने का आदेश दिया और उन्हें वापस लिया गया। उन्होंने कहा कि अन्य देशों ने भी अपने फैसले बदले, लेकिन नरेंद्र मोदी की ओर से इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा गया। राहुल ने प्रधानमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि अगर दम है।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी, महिलाओं की भागीदारी की सराहना

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों में नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) विकल्प के प्रभाव को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि

यह स्पष्ट नहीं है कि इससे देश में चुने गए प्रतिनिधियों की गुणवत्ता में कोई सुधार हुआ है या नहीं। अदालत ने यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें मांग की गई है कि नोटा का विकल्प हर चुनाव में अनिवार्य किया जाए, यहां तक कि उन सीटों पर भी जहां केवल एक ही उम्मीदवार मैदान में हो। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मौखिक टिप्पणियों में कहा कि भारत में पढ़े–लिखे और संपन्न वर्ग की तुलना में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की मतदान भागीदारी ज्यादा रहती है। जस्टिस बागची ने कहा, क्या नोटा से निर्वाचित नेताओं की गुणवत्ता बेहतर हुई है? आंकड़े बताते हैं कि शिक्षित और संपन्न लोग कम वोट डालते हैं, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग ज्यादा मतदान करता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कभी–कभी हमें लगता है कि हमें कोई ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जो जरूरी हो, लेकिन सख्त न हो, ताकि लोग जाकर वोट दें।

अनुराग ठाकुर का राहुल गांधी पर हमला बोले–

विदेशी ताकतों के इशारे पर चल रही कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा के लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी देश–विरोधी और विदेशी ताकतों के कहने पर काम कर रहे हैं। ठाकुर का यह बयान हाल ही में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए हंगामे के बाद आया है। मामले में कुछ दिन पहले नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट हो रहा था, जिसमें देश विदेश की कई बड़ी हस्तियों और नेताओं ने हिस्सा लिया था। वहां यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने घुसकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने बेरोजगारी, महंगाई और भारत–अमेरिका व्यापार समझौते जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए थे। इस प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी देश की छवि खराब कर रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, राहुल गांधी देश–विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन गए हैं। वे भारत–विरोधी एजेंडा चलाते हैं और नकारात्मक राजनीति को बढ़ावा देते हैं। उनका एकमात्र काम झूठ बोलना, डर फैलाना, भारत को बदनाम करना और पीएम मोदी को गाली देना है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत की आर्थिक उपलब्धियों को कम करके दिखाते हैं। उन्होंने कहा, जब भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ रही है, तो वे इसे मरी हुई बताते हैं। एआई समिट की दुनिया भर में तारीफ हो रही है, लेकिन वहां बेशर्मी से प्रदर्शन किया गया और अभद्र व्यवहार दिखाया गया। भाजपा नेता ने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी की राजनीति विदेशों से प्रभावित हो रही है। उन्होंने पूछा, क्या कांग्रेस अब अंकल सैम और जॉर्ज सोरोस के इशारे पर चल रही है? क्या वे भारत के दुश्मन देशों का समर्थन कर रहे हैं?

अब अंग्रेजी में केरल के लोगों का क्या कहा जाएगा–शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल का नाम बदलकर केरलम करने की पहल पर राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को कैबिनेट में पास कर चुकी है। इससे पहले ही संभावित चर्चा के बीच तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर तंज कसते हुए नया सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने पूछा कि अगर राज्य का नाम केरलम हो गया तो अंग्रेजी में केरल के लोगों को क्या कहा जाएगा। उनके इस बयान से नाम बदलने की बहस को नया मोड़ मिल गया है। दरअसल, केरल विधानसभा दो बार प्रस्ताव पारित कर चुकी है, जिसमें केंद्र से संविधान में संशोधन की मांग की गई है। मांग यह है कि राज्य का नाम उसकी मलयालम वर्तनी के अनुसार केरलम किया जाए और इसे आठवीं अनुसूची की सभी भाषाओं में लागू किया जाए। अब केंद्र की कैबिनेट ने भी नाम

बदलने वाली मांग पर मुहर लगा दी है। ऐसे में आधिकारिक तौर पर राज्य का नाम बदल जाएगा। शशि थरूर ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि नाम बदलना ठीक है, लेकिन अंग्रेजी बोलने वालों के लिए एक छोटा सा भाषाई सवाल है।

मीटर लगाने गए कर्मचारी से मारपीट कर सिर फोड़ा

प्रयागराज। थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रयागपुरम मोहल्ले में सोमवार दोपहर स्मार्ट मीटर लगाने गए कंपनी के प्रतिनिधि के साथ एक युवक ने मारपीट करते हुए उसका सिर फोड़ दिया। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले में कंपनी के प्रोजेक्ट कार्डिनेटर ने पुलिस से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। कंपनी के प्रोजेक्ट कार्डिनेटर आशुतोष सिंह ने पुलिस को नामजद तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक नैनी बृज किशोर गौतम ने बताया कि मामले की जानकारी है। एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

प्रयागराज। आवास विकास कॉलोनी योजना तीन के लाल चौक पर भाजपा किसान मोर्चा के गंगापार अध्यक्ष लक्ष्मीकांत उपाध्याय की अगुवाई में राहुल गांधी का पुतला जलाया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं में एआई समिट में कांग्रेसियों के प्रदर्शन को लेकर भारी आक्रोश था। इस मौके पर राजेंद्र शुक्ल, गोरखनाथ सिंह,अनिरुद्ध ओझा, किरण सिंह, दिनकर शुक्ल,सौरभ सिंह, पंकज ओझा, रवि यादव आदि मौजूद रहे।

बस ट्रक में टकराई चालक एवं कई छात्र-छात्राएं घायल

प्रयागराज। हंडिया से थरवई परीक्षा देने बस से जा रहे छात्रों की बस थरवई क्षेत्र में ट्रक से टकरा गई। जिससे बस में सवार छह छात्र–छात्राएं घायल हो गई। चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें बस से बाहर निकाला। कुछ छात्र छात्राएं प्राथमिक उपचार के बाद परीक्षा देने चले गए। गंभीर छात्रों को इलाज के लिए सीएससी बहरिया भेजा गया। जहां से उन्हें शहर के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। केडीएस इंटर कॉलेज मारो कटरा हंडिया के छात्र–छात्राओं का थरवई के बाबू जेआरडी पाल इंटर कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। सोमवार को प्रथम पाली में छात्र–छात्राएं कॉलेज की निजी बस से अंग्रेजी की परीक्षा देने आ रहे थे। करीब 7 बजे थरवई क्षेत्र के तकिया चौराहे के पास आगे चल रहे ट्रक में बस की टक्कर हो गई। हादसे में लव कुश (17), रोशन (16), हिमांशु केसरवानी (16), शुभम (17), शिवम (18), सोनू (16), रानी केसरवानी (17) घायल हो गए। लवकुश और रोशन को शहर रेफर कर दिया गया। छात्रों का आरोप है कि चालक फोन पर बात करते हुए बस चला रहा था और संतुलन खराब पर आगे जा रहे ट्रक में टक्कर मार दिया। बस का चालक सुदामा (35) भी घायल हो गया।

नैनो उर्वरक खेती की लागत कम करने में सहायक रू कुलश्रेष्ठ

प्रयागराज। किसान समृद्धि के संकल्प के साथ इफको की पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मिट्टी की सेहत सुधारने, कृषि लागत घटाने और पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देने के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ महाप्रबंधक विपणन नई दिल्ली संजय कुलश्रेष्ठ ने बताया कि इफको के नैनो उर्वरक पर्यावरण हितैषी हैं और खेती की लागत कम करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। बैठक में मुख्य प्रबंधक एनएम गजेरा, एनके भाटिया, यतेंद्र तेवतिया,संजय भंडारी, डॉ. डीके सिंह और अरुण कुमार आदि रहे।

बीमार पशुओं का टीकाकरण करने गांव पहुंची टीम

प्रयागराज। दासापुर तथा करीमुद्दीनपुर में मुंहपका और खुरपका से बीमार पशुओं का वेटरनरी डॉक्टरों की टीम ने टीकाकरण किया। अमर उजाला में प्रकाशित खबर के बाद सोमवार की सुबह पशु अधिकारियों तथा कर्मचारियों की टीम गांवों पहुंची और पशुओं का टीकाकरण किया। इस दौरान पशु चिकित्सा अधिकारी कौड़िहार डॉ. आलोक चौधरी, डॉ. विवेक मिश्रा, दिनेश यादव, आशीष यादव, शिवसागर सिंह और संतोष सरोज आदि थे।

लावारिस पशुओं को संरक्षित करने की मांग

प्रयागराज। किसानों के खेतों में तैयार फसल को लावारिस पशुओं द्वारा बर्बाद करने से किसान परेशान हैं। किसान देवशरण, गामा धुरिया, राज बहादुर, अनुभव सिंह, समर पटेल, शिव प्रसाद और राम सरन आदि लोगों ने लावारिस पशुओं को गोशाला में संरक्षित करवाने की अधिकारियों से मांग की है। बीडीओ सोरांव सुभाष गौतम ने कहा कि ज्यादातर पशुओं को गोशाला में संरक्षित करवा दिया गया है। यदि फिर भी सड़कों पर पशु टहल रहे हैं, तो उनको जल्द पकड़कर संरक्षित करवाया जाएगा।

कूड़ा फेंकने से मना करने पर बेटी से मारपीट, तीन पर प्राथमिकी

प्रयागराज। क्षेत्र की सेरांवा निवासिनी शांति देवी ने कूड़ा फेंकने से मना करने पर बेटी के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र बताया है कि बीते 13 फरवरी की सुबह करीब 9 बजे उनकी बेटी रिंकी ने पड़ोसी को कूड़ा फेंकने से मना किया तो गालीगलौज देते हुए मारपीट की गई। इससे वह घायल हो गई। शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए तो आरोपी भाग निकले। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस गांव की सुनीता, नेहा तथा निहाल पर प्राथमिकी दर्ज कर ली।

होली पर अराजकता फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : एसीपी

प्रयागराज। पुलिस चौकी सिकंदरा में सोमवार कोहोली को शांतिपूर्ण ढंग मनाने के लिए एसीपी फूलपुर विवेक यादव की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक की गई। एसीपी फूलपुर विवेक यादव ने कहा कि सिकंदरा में होली के पर्व पर भारी पुलिस बल तैनात रहेगी। होली के हुड़दंग में अराजकता फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर थाना अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, चौकी प्रभारी सिकंदरा बृजेश कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक उमेश कुमार यादव, ग्राम प्रधानों में मुनीषा नंद मिश्र, लक्ष्मीकांत पटेल, बृजेश कुमार पांडेय, शुभम मिश्र और भोले तिवारी आदि मौजूद रहे। वहीं घूरपुर थाना परिसर में एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्योहार होली, रमजान और ईद–उल–फितर को आपसी भाईचारा, सौहार्द और शांति के साथ मनाने पर जोर दिया गया।

छिनैती के मामले में कार्रवाई न होने से रोष

प्रयागराज। थाना क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार के बीच आपराधिक घटनाओं में इजाफा होने लगा है। चोरी, छिनैती और लूट की वारदातों से लोगों में दहशत है। ताजा मामला बरदहा बाजार का है, जहां सब्जी खरीद रहे एक ठेला संचालक से एक आरोपी पांच हजार रुपये व मोबाइल छीनकर फरार हो गया। पुलिस को तहरीर दी गई है।

उमेश पाल हत्याकांड: खौफ, इंसाफ और अधूरी गिरफ्तारी की कहानी

प्रयागराज। प्रदीप शर्मा 24 फरवरी 2023 की वह दहला देने वाली शाम आज भी शहर की स्मृतियों में ताजा है। अधिवक्ता उमेश पाल की दिनदहाड़े गोली–बम से की गई हत्या को तीन साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन उनका परिवार अब भी अंजान डर के साये में जी रहा है। इंसाफ की लड़ाई जारी है, क्योंकि कई आरोपी अब तक पकड़ से बाहर हैं। करीब छह महीने पहले दो बुर्कानशी महिलाओं के उमेश पाल के सुलेमसराय स्थित घर के आसपास संदिग्ध रूप से देखे जाने की बात सामने आई। उमेश पाल की पत्नी जया पाल बताती हैं कि इसकी पुलिस से शिकायत की गई।

जांच में पता चला कि वे महिलाएं अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के ड्राइवर के रिश्तेदारों से जुड़ी थीं। इसके बाद परिवार की चिंता और गहरी हो गई। परिवार का आरोप है कि मुकदमा न लड़ने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से कई बार डराने–धमकाने की कोशिश भी की जा चुकी है। इस संबंध में मुख्यमंत्री तक शिकायत की जा चुकी है। उमेश पाल के घर पर चौबीस घंटे पुलिस का पहरा रहता है, लेकिन परिवार आज भी अंजान खौफ के साये में है। जेहन से मिटा नहीं खौफनाक मंजर जया पाल बताती हैं कि 24 फरवरी 2023 की शाम एक शादी समारोह में जाना था। पति उमेश पाल के घर लौटने का इंतजार था। वह और परिवार के अन्य सदस्य तैयार होकर कमरे बैठे थे। सीसीटीवी कैमरे की स्क्रीन में दिखा कि उमेश पाल घर के बाहर सड़क किनारे कार से उतर रहे हैं। तभी अचानक ताबड़तोड़ गोलियां व बमबाजी होने लगी। यह देखकर वह बाहर भागीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उनकी आंखों के सामने उनके पति और सुरक्षाकर्मियों ने दम तोड़ दिया। तीन साल बाद भी वह खौफनाक मंजर उनके जेहन से मिटा नहीं है। जया कहती हैं, 'जब तक सभी फरार आरोपी पकड़े नहीं जाते और सजा नहीं पाते, तब तक हमें पूर्ण न्याय नहीं मिलेगा।' फिल्मी स्टाइल में हुई थी सनसनीखेज वारदात 24 फरवरी 2023 को सरेआम हमलावरों ने उमेश पाल पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं और बम फेंके। इस हमले में उनके दो सुरक्षाकर्मी राघवेंद्र सिंह और संदीप निषाद की भी मौत हो गई। वारदात का आरोप माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और उसके गुर्गों पर लगा। घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था और कानून–व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया था। अब तक छह आरोपी मारे गए उमेश पाल की हत्या के मामले में आठ आरोपियों में से छह मारे जा चुके हैं। जिस कार से हमलावर आए थे उसका ड्राइवर अरबाज सबसे पहले 27 फरवरी को नेहरू पार्क के खंडहर में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। इसके बाद अतीक का शूटर उस्मान उर्फ विजय चौधरी छह मार्च को कौंधियारा में दूसरी मुठभेड़ में मारा गया जबकि अतीक का बेटा असद और शूटर मोहम्मद गुलाम को एसटीएफ ने झांसी में मुठभेड़ में मार गिराया था। इसके बाद दो दिन बाद ही अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल को कॉल्विन अस्पताल में तीन युवकों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी अधूरी तीन साल बाद भी पांच–पांच लाख रुपये के इनामी आरोपी गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर फरार हैं। इसी तरह अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, अशरफ की पत्नी जैनब और बहन नूरी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। इन पर भी इनाम घोषित है। पुलिस का दावा है कि तलाश जारी है, लेकिन गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार में असुरक्षा की भावना बनी हुई है। इंसाफ की लड़ाई और नई राह जया पाल अब खुद को मजबूत बनाकर राजनीति में भी कदम रखने की इच्छा जता चुकी हैं। उनका कहना है कि अगर वह सार्वजनिक जीवन में आती हैं तो अन्य पीड़ित और कमजोर महिलाओं की आवाज बनेंगी। तीन साल बाद भी उमेश पाल हत्याकांड सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि भय, संघर्ष और न्याय की लंबी लड़ाई का प्रतीक बना हुआ है। शहर को अब भी उस दिन की गूंज सुनाई देती है, और परिवार को आज भी इंतजार है पूर्ण न्याय और भयमुक्त जीवन का।

शादीशुदा होकर शादी का वादा करना कपटपूर्ण, हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ केस रद्द करने से किया इनकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा है कि यदि आरोपी पहले से ही शादीशुदा है, तो शादी का वादा शुरुआत से ही कपटपूर्ण माना जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने विपिन कुमार और तीन की एक याचिका खारिज करते हुए दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शादी का झूठा वादा कर एक महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही और चार्जशीट को रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि आरोपी पहले से ही शादीशुदा है, तो शादी का वादा शुरुआत से ही कपटपूर्ण माना जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने विपिन कुमार और तीन की याचिका खारिज करते हुए दिया है।

याचियों के खिलाफ सहारनपुर के देवबंद स्थित अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में मुकदमा लंबित है। मामले के तथ्यों के अनुसार पीड़िता ने 22 मई 2025 को विपिन कुमार, उसकी पत्नी, बहन और जीजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पीड़िता का आरोप था कि 2018 में फेसबुक से वह विपिन के संपर्क में आई थी, जिसने शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार यौन संबंध बनाए। एफआईआर के अनुसार पीड़िता पांच बार गर्भवती हुई, जिनमें चार बार उसे गर्भपात के लिए मजबूर किया गया। बयान दर्ज कराते समय वह छह महीने की गर्भवती थी और बाद में उसने एक बच्ची को जन्म दिया।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो बनाए थे, जिनका इस्तेमाल वह उसे ब्लैकमेल करने के लिए करता था। अन्य आरोपियों पर पीड़िता के परिवार को डराने–धमकाने और समझौते के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया गया। याचियों की ओर से तर्क दिया गया कि संबंध आपसी सहमति से बना था और इसमें किसी कपटपूर्ण तरीके का इस्तेमाल नहीं किया गया। यह भी कहा गया कि पीड़िता शिक्षित है और उसे पता था कि आरोपी शादीशुदा है क्योंकि वह 2016 में उसकी शादी में शामिल हुई थी।

लंबे संबंध के बाद शादी का वादा पूरा न करना अपराध नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अन्य एक आदेश में कहा है कि पढ़े–लिखे दो बालिगों के बीच लंबे समय तक कायम शारीरिक संबंध, शादी का वादा पूरा न करने का अपराध नहीं है। ऐसे में आपराधिक केस जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने बस्ती कोतवाली के श्याम बहादुर यादव की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने याची के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की कार्यवाही, चार्जशीट व सम्मन आदेश रद्द कर दिया है। अधिवक्ता आदित्य गुप्ता व वरिष्ठ अधिवक्ता ने बहस की।

कोर्ट ने कहा कि स्वीकृत तथ्य है कि पीड़िता व आरोपी दोनों 2016 से एक–दूसरे को जानते हैं। 2019 से शादी के वादे पर शारीरिक संबंध बनाए। संबंध 2019 से 2025 तक संबंध कायम रहा। 2020 में दो बार गर्भपात भी कराया गया। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लंबे समय तक शारीरिक संबंध कायम रखा है तो अवधारणा सहमति की होगी।

यूपी धर्मांतरण कानून अंतरधार्मिक विवाह और लिव–इन पर नहीं लगा सकता रोक, हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतर धार्मिक विवाह और लिव इन संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए स्पष्ट किया है कि बालिग व्यक्तियों को पसंद के साथी के साथ रहने और विवाह करने का मौलिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि यूपी धर्मांतरण कानून 2021 रोक नहीं लगा सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतर धार्मिक विवाह और लिव इन संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए स्पष्ट किया है कि बालिग व्यक्तियों को पसंद के साथी के साथ रहने और विवाह करने का मौलिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो समय के साथ समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालता है।

कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम, 2021 अंतरधार्मिक विवाह पर रोक नहीं लगाता। विवाह पंजीकरण अधिकारी केवल इस आधार पर विवाह पंजीकरण से इनकार नहीं कर सकते कि संबंधित पक्षों ने धर्मांतरण के लिए जिला प्राधिकारी से पूर्व अनुमति नहीं ली है। अदालत ने कहा कि ऐसी अनुमति अनिवार्य नहीं बल्कि निर्देशात्मक (डायरेक्टरी) है। इसे अनिवार्य माना जाए तो यह संविधान के अनुच्छेद 14–21 की कसौटी पर खरा नहीं उतरेगा। अंतर धार्मिक विवाह करने या लिव इन रिलेशन में रहने वाले दर्जनों जोड़ों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर संरक्षण देने की मांग की थी। याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने यह निर्णय दिया।

शासनादेश का पालन अनिवार्य

अदालत ने वर्ष 2019 में जारी राज्य सरकार के उस शासनादेश का हवाला दिया, जिसमें अंतर्जातीय या अंतरधार्मिक विवाह करने वाले जोड़ों को सुरक्षा, सुरक्षित आवास और आवश्यक संरक्षण देने के निर्देश दिए गए थे। अदालत ने कहा कि इस शासनादेश का कड़ाई से पालन किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि जीवनसाथी चुनना व्यक्ति की स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा है और इसमें राज्य या समाज हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

शादी का वादा पूरा न करना अपराध नहीं

हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि पढ़े–लिखे बालिगों के बीच लंबे समय तक चले शारीरिक संबंधों में शादी का वादा पूरा न करना अपराध की श्रेणी में नहीं आता। ऐसे मामलों में आपराधिक मुकदमे चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने बस्ती कोतवाली के श्याम बहादुर यादव की याचिका मंजूर करते हुए उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे, चार्जशीट और समन को रद्द कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि लंबे सहमति वाले रिश्ते में बाद का इनकार बलात्कार नहीं बनता। अधिवक्ता आदित्य गुप्ता और वरिष्ठ वकीलों ने पक्ष रखा।

मैजिक की टक्कर से बाइक सवार घायल

प्रयागराज। तेज रफ्तार मैजिक की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ घायल हो गया। बहरिया थाना क्षेत्र के राजेपुर गांव निवासी मेवालाल (50) किसी काम से बाइक से दोनैया चौराहे गए थे। जब वह दोनैया चौराहे से गुजर रहे थे, तभी तेज रफ्तार मैजिक अनियंत्रित होकर उनकी बाइक से टकरा गई। इससे वे घायल हो गए। ग्रामीणों ने घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

प्रेमिका से मिलने घर में घुसे युवक को चोर समझकर धुना

प्रयागराज। प्रेमी से मिलने पहुंचे युवक को युवती के घरवालों ने चोर समझकर धुन दिया। इस दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। हकीकत जान कर पुलिस और ग्रामीण वापस लौट गए। मऊआइमा में एक युवती का दूसरे गांव के एक युवक से प्रेम–प्रसंग चल रहा है। बताते हैं कि युवती की शादी दूसरी जगह तय कर दिए। 26 फरवरी को बरात आने वाली है। बीती रात प्रेमी अपने प्रेमिका से मिलने उसके घर में घुस गया। किसी के घर में घुसने की आहट पर परिजनों ने चोर समझकर उसकी धुनाई कर दी।

बेटियां पैदा होने पर विवाहिता को घर से निकाला

प्रयागराज। बेटियां पैदा होने पर मऊआइमा इलाके की एक विवाहिता को उसके पति ने मारपीट कर उसे न सिर्फ घर से निकाल दिया बल्कि उसके मायके में कई बार मारने की कोशिश की। पीड़िता ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर इन्साफ की गुहार लगाई है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के कटाता जलालपुर निवासी बंशीलाल ने अपनी बेटी फुला देवी का विवाह क्षेत्र के गोवर्धनपुर निवासी लालजी के साथ किया था। आरोप है कि शादी के बाद लगातार चार बेटियां होने पर पति ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने पति व ससुरालियों के खिलाफ पुलिस आयुक्त को लिखित शिकायत दी है।

भैंया नहर पुलिया में फंसी विवाहिता की लाश मिलने से सनसनी

प्रयागराज। भैंया नहर पुलिया में फंसी विवाहिता की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने लाश को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालाकि पांच घंटे तक महिला की लाश की शिनाख्त 16 फरवरी से घर से साल भर के बेटे संग लापता मेजा के निबैया गांव की अनीता के रूप में की जाती रही। फिर बाद में विवाहिता के हाथ में लिखे बुद्धसेन रीना को देख परिजनों ने लाश अनीता का होने से इन्कार कर दिया। फिर पुलिस अज्ञात लाश की शिनाख्त के लिए जुट गई। सोमवार देर शाम तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। बता दें कि चरवाहों द्वारा सूचना मिलने पर भैंया नहर की पुलिया में फंसी विवाहिता की लाश पुलिस ने निकाल शिनाख्त में जुट गई। कुछ ही देर में मेजा के निबैया गांव की लापता अनीता (25) के रूप में परिजनों ने शव की पहचान की। पांच घंटे तक पुलिस इस चक्कर में फंसी रही कि लापता अनीता की लाश मिल गई तो बेटा कहां है। इस दौरान अनीता के मायके वालों ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया। फिलहाल महिला की मिली लाश के हाथ में लिखे बुद्धसेन रीना देख मामला उलझ गया। परिजनों ने लाश अनीता की होने से इन्कार कर दिया। मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह ने बताया कि लाश की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अभिनेता अभय शुक्ला ने रील संस्कृति पर किया प्रहार

प्रयागराज। टीवी जगत के लोकप्रिय कलाकार अभय शुक्ला ने कहा कि आधुनिकता को अपनाना समय की मांग है, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों से दूरी बनाना समाज के लिए चिंता का विषय है। सोमवार को देवनहरी गांव में आयोजित स्वागत समारोह में ग्रामीणों के बीच उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया का उपयोग सकारात्मक दिशा में करें और भारतीय परंपराओं से जुड़े रहें। चर्चित धारावाहिक सीआईडी में इंस्पेक्टर निखिल की भूमिका से पहचान बनाने वाले अभय शुक्ला ने कहा कि रील बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति युवाओं को तात्कालिक प्रसिद्धि की ओर आकर्षित कर रही है। मौके पर पूर्व प्रधान नागेंद्र उपाध्याय, देवराज, अशफाक अहमद, हरिभान सिंह, मुन्ना यादव, जगदीश तिवारी, विपुल, शिवम और विनय उपाध्याय रहे।

पुलिस ने हत्या के आरोपियों को किया गिरफ्तार

प्रयागराज। कोरांव के हरदौन गांव में जंगल में बीते सप्ताह मिले शव की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। इससे पहले आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकार की है। कोरांव के हरदौन गांव निवासी जितेंद्र पुत्र लोलर आदिवासी का शव बीते 17 फरवरी को हरदौन गांव के जंगल में पत्थरों से दबा हुआ मिला था। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच के दौरान सोमवार सुबह पथरताल गांव में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी रूपा देवी पुत्री बब्बन कोल ने बताया कि मृतक जितेंद्र का उससे संबंध था और वह शादी से मना कर रहा था। परिजनों से बात कर उसने जितेंद्र को जंगल में बुलाया। वहां उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी आशीष कोल, सूरज ग्राम हरदौन, मनीष कोल निवासी लखापुर कोरांव को कोर्ट में पेश किया।

विनय टंडन बने प्रेम मिलन क्लब के अध्यक्ष

प्रयागराज। प्रेम मिलन क्लब की 88वीं बैठक सोमवार को मम्फोर्डगंज स्थित एक होटल में हुई जिसमें वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी मुकेश अग्रवाल की देखरेख में नई कार्यकारिणी गठित की गई। नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष विनय कुमार टंडन 'टीटू भैया', उपाध्यक्ष डॉ. विपुल टंडन, उपाध्यक्ष पदेन विपुल टंडन, कोषाध्यक्ष प्रतीक मेहरोत्रा, सांस्कृतिक मंत्री व संयोजक अनिल टंडन, आय–व्यय निरीक्षक करबीर कपूर व मंत्री पुनीत टंडन ने दायित्व संभाला। संयोजक अनिल टंडन ने क्लब की वार्षिक प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि क्लब अपने सामाजिक सरोकार के तहत जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए समर्पित है। इस मौके पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

स्थापना दिवस को यादगार बनाएगा एनसीजेडसीसी

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र अपनी स्थापना के 40वें वर्ष को भव्य बनाने की तैयारियों में जुटा है। केंद्र प्रशासन की ओर से पहली बार विरासत कला उत्सव नाम से सात दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन करने जा रहा है। आयोजन छह से 12 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। उत्सव का शुभारंभ पद्मश्री से सम्मानित वासिफफुद्दीन डागर, पखावज वादक पं. मदन मोहन शर्मा के वादन व चेतन जोशी के बांसुरी वादन से होगा। केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा ने बताया कि आठ मार्च को होली मिलन समारोह के अंतर्गत ब्रज, पंजाब, राजस्थान व हरियाणा के लोकनृत्यों की प्रस्तुति और 11 मार्च को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन कराया जाएगा।

लक्ष्मणपुर के उमरपुर में लोकपाल की ग्राम चौपाल 26 फरवरी को गाँव में ही होगा समस्या का समाधान

प्रतापगढ़। सलोकपाल मनरेगा समाज शेखर 26 फरवरी को लक्ष्मणपुर के उमरपुर ग्राम पंचायत में ग्राम चौपाल में जन सुनवाई करके राम उजागिर मिश्र की शिकायत का समाधान करेंगे. ग्राम प्रधान व सचिव ने मंगलवार को लोकपाल के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत के सम्बन्ध में अपना पक्ष रखा. वहीं

शिकायतकर्ता सूचना के बाद भी उपलब्ध नही हो सके. लोकपाल ने गाँव में ही समस्या का समाधान करने का निर्णय लेते हुए 26 फरवरी को दोपहर 12 बजे ग्राम पंचायत को पंचायत भवन में ग्राम चौपाल लगाने तथा ग्राम वासियों को सूचित कर सहभागिता का निर्देश दिया. लोकपाल ने ग्राम पंचायत को सम्बन्धित थाने को भी चौपाल में शांति व्यवस्था कायम रखने हेतु अनिवार्य रूप से सूचित करने को कहा।

श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन प्रारंभ

मऊ। श्री संकट हरण हनुमान मंदिर बाबा नीम करौली छिवलहा मऊ चित्रकूट में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन चल रहा है चल रही कथा की आयोजक डॉक्टर अनिल त्रिपाठी जी ने बताया इस सात दिवस था का आयोजन जनकल्याण कार्यों के लिए कराया जा रहा है कथा व्यास जी श्री श्री 108 श्री डांडिया स्वामी ब्रह्मानंद जी महाराज दूसरे दिन की कथा का वर्णन करते हुए बताया राजा परीक्षित को ऋषि पुत्र के शाप, शुकदेव जी के आगमन, और विदुर–कृष्ण मिलन की कथा का वर्णन किया गया। कथावाचकच जी ने सांसारिक मोह त्यागकर भक्ति और आत्मज्ञान पर जोर दिया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव–विभोर हो गए। माहौल श्राधे–राधेश के जयकारों से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के एवं गांव के सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी डॉ अनिता पंडा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ मधु पाठक, जौनपुर, उत्तर प्रदेश से, अति विशिष्ट अतिथि रंजना वर्मा उन्मुक्त रांची, झारखंड से, विशिष्ट अतिथि डॉ सविता श्रीवास्तव, प्रयागराज

से और अपर्णा गुप्ता, लखनऊ से जुड़ीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 6.30 बजे से गूगल मीट पर ऑनलाइन आयोजित की गई। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ सुनीता भट्ट गोजा द्वारा मधुर गणेश वंदना और सरस्वती वंदना से की गई और गोष्ठी का कुशल संचालन और संयोजन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, नीता शर्मा, कागो मादो, सुनीता भट्ट गोजा, अन्नपूर्णा महराजा और अनुपमा प्रधान ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सार्थक प्रतिक्रियाओं द्वारा सबको प्रोत्साहित कर काव्यपाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ अनिता पंडा ने सभी कलमकारों की रचनाओं पर प्रतिक्रिया देकर सबको प्रोत्साहित किया। अंत में अनुपमा प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

भयहरणनाथ धाम के महासचिव ने एस डी एम सदर को भेट किया स्मृति चिन्ह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने उप जिला मजिस्ट्रेट सदर व नोडल अधिकारी नैन्सी सिंह से कार्यालय में 26 वें महाकाल

महोत्सव का स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र प्रसाद भेट कर सम्मानित किया. एस डी एम ने धाम में की गई सेवाओ व व्यवस्था की सराहना करते हुए और सुव्यस्थित करने पर बल दिया।

इस अवसर पर नायाब तहसील दार व धाम के प्रतिनिधि मौजूद थे।

आरेडिका का हरित ऊर्जा के क्षेत्र में एक और प्रयास

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में दिनांक 24.02.2026 को आरेडिका के सुपरवाइजर विश्रामगृह में 112.2 किलोवाट, तकनीकी प्रशिक्षण छात्रावास में 138.6 किलोवाट, केन्द्रीय विद्यालय में 223.2 किलोवाट, वर्कर कैंटीन में 255.6 किलोवाट गंधमादन अधिकारी विश्रामगृह में 75 किलोवाट, चिकित्सालय में 246.6 किलोवाट सहित कुल 1050 किलोवाट का बाइफेशियल रूफटॉप सोलर पैनल लगाया गया। इस नवनिर्मित रूफटॉप सोलर पैनल का उद्घाटन महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

बाइफेशियल सोलर पैनल ऐसे अत्याधुनिक सौर पैनल हैं जो सामने और पीछे, दोनों तरफ से सूर्य की रोशनी का उपयोग कर बिजली बनाते हैं। ये पारंपरिक पैनलों की तुलना में 10–30 प्रतिशत अधिक बिजली पैदा करते हैं। ये विशेष रूप से रिफ्लेक्टिव सतहों (जैसे सफेद छत या जमीन) पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं और कम जगह में अधिक ऊर्जा देने के लिए सर्वोत्तम हैं।प्रत्येक सोलर प्लेट 600 वाट की है।

आरेडिका के प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिन्दल ने बताया कि नवनिर्मित रूफटॉप सोलर पैनल के निर्माण से आरेडिका का कुल सोलर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 5.13

मेगावाट हो गयी। इस सोलर प्लाण्ट को सीधे ग्रिड से जोड़ा गया है। इस संयंत्र की स्थापना से लाखों रुपये रेलवे राजस्व की प्रत्येक वर्ष बचत होगी और 4–5 वर्ष में अपने कुल खर्च को पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही कार्बन फुट प्रिन्ट जैसे मानको में कमी आएगी एवं हरित ऊर्जा तथा स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि होगी।

'आरेडिका हॉस्पिटल में फिजियोथेरेपी सुविधाओं का विस्तार'

आरेडिका चिकित्सालय में दिनांक 24.02.2026 को महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा एवं आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा के कर कमलों द्वारा फिजियोथेरेपी सुविधाओं का विस्तार किया गया ।आरेडिका चिकित्सालय ने अपने फिजियोथेरेपी सुविधाओं का विस्तार अत्याधुनिक मशीनों के साथ किया। जिसमें बाईपोलर डाइथर्मल जैसी मशीनें लगाई गयीं ।इन मशीनों के द्वारा रेल कर्मियों और उनके परिजनों को चोट तथा दर्द आदि की स्थिति में उच्च स्तरीय फिजियोथेरेपी सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

पीसीएमओ डा0 आभा जैन ने बताया कि ये फिजियोथेरेपी मशीनें चिकित्सा सेवा के स्तर को एक नई दिशा प्रदान करेंगी जो बिना किसी जलन एवं कष्ट के रोगियों के दर्द की समस्या को ठीक कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर आरेडिका के, प्रधान वित्त सलाहकार श्री बीएल मीना, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य अभियंता एसपी यादव, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, आरेडिका महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं सहित चिकित्सालय के उच्च अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सवर्ण समाज को शोषित के रूप में चिन्हित करने का प्रयास अस्वीकार्य

कायस्थ समाज के साथ–साथ समस्त सवर्ण समाज के लोगों को 8 मार्च 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में अपराह्न 12.00 बजे आयोजित होने वाले 'यूजीसी रोल बैक महा सम्मेलन' में भारी संख्या में पहुंचने की अपील

लखनऊ। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) बिल का पूर्ण एवं दृढ़ता से विरोध करती है। इन विनियमों के लागू होने पर सवर्ण समाज को व्यवस्थित रूप से शोषक के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जिससे समाज में एक ऐसी खाई पैदा होगी जो कभी भर नहीं पाएगी।

ये बातें अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव ने निजी आवास पर आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता में कहीं। उन्होंने आगे कहा कि यूजीसी के इन नए प्रावधानों में इक्विटी कमिटी में सवर्ण समाज (सामान्य वर्ग) की कोई हिस्सेदारी सुनिश्चित नहीं की गई है। इससे सवर्ण समाज को बिना किसी सुनवाई के दंडित करने और उनके शोषण का कानूनी मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सवर्ण समाज ने भारत की आजादी से पहले, आजादी के दौरान और आजादी के बाद भी राष्ट्र निर्माण में अनगिनत त्याग और आहुतियां दी हैं।

उन्होंने कहा कि सवर्ण समाज को समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे किसी भी कार्यक्रम से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति में अंधा होकर सरकार यदि सवर्ण समाज के शोषण का कानूनी रास्ता बना दे, तो सवर्ण समाज चुप नहीं बैठेगा।

डॉ. श्रीवास्तव ने याद दिलाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मात्र दो सीटों वाली पार्टी से विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने में सवर्ण समाजकृ चाहे क्षत्रिय हों, ब्राह्मण हों, बनिया हों या कायस्थकृका अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सवर्ण समाज की सहजता और राष्ट्रप्रेम को उनकी कमजोरी समझने की भूल सरकार को कभी नहीं करनी चाहिए।

डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भाजपा अपनी इस भूल को सुधारते हुए इस विवादास्पद बिल को वापस (रोलबैक) ले लेती है, तो सवर्ण समाज इस गलती को भुला सकता है। अन्यथा, आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों तथा उसके बाद होने वाले सभी चुनावों में भाजपा को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है, क्योंकि अंततः जनता ही किसी भी राजनीतिक दल के भाग्य का निर्धारण करती हैकृ और भाजपा इस सत्य को अच्छी तरह समझती है।

अंत में, डॉ. श्रीवास्तव ने कायस्थ समाज के साथ–साथ समस्त सवर्ण समाज के लोगों से अपील की है कि वे 8 मार्च 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में अपराह्न 12.00 बजे आयोजित होने वाले 'यूजीसी रोल बैक महा सम्मेलन' में भारी संख्या में पहुंचें और इस अन्यायपूर्ण विनियम के विरुद्ध अपनी एकजुट आवाज बुलंद करें।

इस प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जनवरी 2026 में अधिसूचित 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026' (यूजीसी इक्विटी विनियम 2026) के प्रावधानों के विरुद्ध अपनी दृढ़ आपत्ति दर्ज करना था।

डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव, जो पूर्व में भारत सरकार के प्रधान आयुक्त सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर रहकर राष्ट्र सेवा कर चुके हैं।

वैवाहिक परिचय मिलन सम्मेलन 22 फरवरी को

नई दिल्ली। 'वैवाहिकी परिवार' दिल्ली के द्वारा अपना बहु प्रतिक्षित वार्षिक 'वैवाहिक परिचय मिलन सम्मेलन' दिनांक 22/02/2026 दिन रविवार को 'राजा राममोहन रॉय, मेमोरियल हॉल' आई.टी.ओ. दिल्ली पर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सीए उमेश चन्द्र आर्य (दिल्ली) के साथ ही अन्य सम्मानित गणमान्य अतिथियों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता (फरीदाबाद) द्वारा की गई एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्री जयपाल गुप्ता जी (वरिष्ठ समाजसेवी दिल्ली) उपस्थित रहे, कार्यक्रम का शुभारंभ के लिए दीप प्रज्वलन एड. वी.के. वार्ष्णेय (दिल्ली) के द्वारा किया गया। वैवाहिकी 2026 का विमोचन श्री राकेश गुप्ता (साईं प्रिंटर्स) ने किया। श्री नवीन वार्ष्णेय (स्वागताध्यक्ष) के साथ ही श्री गंगा प्रसाद सुमन, श्रीमती सुनीता वार्ष्णेय, श्री मनोज वार्ष्णेय (नीलकंठ), श्री योगेश गुप्ता (स्प्ब) अलीगढ़, सी ए अतुल गुप्ता (अलीगढ़) सी ए गौरव वार्ष्णेय (अलीगढ़), डॉ चंद्रशेखर ऋषि (अलीगढ़), श्री सुधीर वार्ष्णेय (ब्ज्) अलीगढ़, इंजी. हरिओम प्रकाश वार्ष्णेय (दिल्ली) एवं श्रीमती ऋतु गुप्ता (एड.) दिल्ली अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री यश गुप्ता, श्री दीक्षांत वार्ष्णेय, श्री कुश भारतीय, श्री मुकेश वार्ष्णेय (नॉएडा), श्री त्रिलोक वार्ष्णेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपनी अपनी महती भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सजातीय बंधुओं ने अपने अपने

वैवाहिकी 2026 का विमोचन एवं लोकार्पण किया गया। श्री निर्मल कुमार दीपक ने कार्यक्रम संयोजक एवं इंजी. सुशील वार्ष्णेय ने मंच संचालक के रूप में अपनी भूमिका निभाई। श्री अनूप वार्ष्णेय, श्री देवप्रकाश वार्ष्णेय, श्री निधीश राज वार्ष्णेय, विवाह योग्य युवक एवं युवतियों के विवरण मंच से प्रस्तुत किए। डॉ. चक्खन लाल वार्ष्णेय जी के द्वारा स्वरचित काव्य के माध्यम से वैवाहिकी की प्रशंसा की। कार्यक्रम में दिल्ली एन. सी.आर. से विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सहभागिता निभाई जिनमें वार्ष्णेय महिला सभा दिल्ली, वार्ष्णेय शिक्षक छात्र समाज दिल्ली, वार्ष्णेय समाज नॉएडा, वार्ष्णेय समाज हितकारी ट्रस्ट, वार्ष्णेय कल्याणकारी सभा यमुनापार, वार्ष्णेय कल्याणकारी सभा उत्तम नगर, वार्ष्णेय सभा साउथ दिल्ली, वार्ष्णेय समाज बदरपुर, वार्ष्णेय समाज नॉर्थ ईस्ट दिल्ली भजनपुरा, वार्ष्णेय समाज श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोह सभा, वार्ष्णेय समाज फरीदाबाद, वार्ष्णेय महिला क्लब दिल्ली, आदि आदि प्रमुख रूप से रहे। गत वर्ष वैवाहिक परिचय मिलन सम्मेलन का आयोजन नहीं हो पाया था अतः सजातीय बंधुओं द्वारा इस कार्यक्रम की प्रतिक्षा थी जो इसके भव्यता पूर्वक सफल होने से पूर्ण हुई है। कार्यक्रम स्थल पर हुए पंजीकृत विवरणों को वैवाहिकी के सप्लीमेंट्री के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

संक्षिप्त

सुशांत गोल्फ सिटी में आधी रात बवाल

लखनऊ, संवाददाता। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शहीद पथ स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर देर रात दो पक्षों में बवाल हो गया। कुछ दबंगों ने हॉर्न बजाने पर स्कॉर्पियो पर तोड़फोड़ की। उस पर सवार युवक पर क्रेटा कार चढ़ा दी। सिर पर रॉड और कुर्सी–टेबल से पीट दिया। घायल पीड़ित युवक प्ब् में भर्ती है। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आशियाना एलडीए कॉलोनी सेक्टर–ई निवासी पीड़ित नमन भटियानी ने बताया कि वह अपने दोस्त तुषार त्यागी (निवासी सनराइज ओमेक्स त्–1) के साथ रात करीब 2रू30 बजे शहीद पथ स्थित कालिका रेस्टोरेंट पर खाना खाने गए थे। वहीं पर कुछ युवकों ने केवल हॉर्न बजाने पर उसे मारा–पीटा। आरोप है कि उनकी गाड़ी का हॉर्न बजाने पर वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने गाली–गलौज शुरू कर दी। जब गाली–गलौज का विरोध किया, तो आरोपियों ने कुर्सी–टेबल और अन्य सामान से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में तुषार त्यागी के सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गए। नमन भटियानी ने आरोप लगाया कि उनके सिर पर लोहे के रॉड से वार किया गया था। आरोप है कि इसी दौरान एक व्यक्ति ने अपनी क्रेटा कार (न्च 32 डै 3402) तुषार त्यागी के ऊपर चढ़ा दी। किसी तरह घायलों को कार में डालकर अस्पताल ले जाया गया। पहले उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर बाद में अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां तुषार इस समय आईसीयू में उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

लखनऊ में चौक चौराहे का नाम बदला, पद्म विभूषण अमृतलाल नागर के नाम से जाना जाएगा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में चौक चौराहे का नाम पद्म विभूषण अमृतलाल नागर चौराहा कर दिया गया है। अमृतलाल नागर की पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मेयर द्वारा अमृतलाल नागर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। उन्होंने कहा कि अमृतलाल नागर ने अपनी लेखनी से लखनऊ की संस्कृति और आम जनजीवन को जीवंत रूप दिया। उनके नाम पर चौराहे का नामकरण पूरे शहर के लिए गर्व का विषय है और यह आने वाली पीढ़ियों को उनकी साहित्यिक विरासत से परिचित कराएगा। इस अवसर पर चौक काली जी बाजार वार्ड में सड़क, नाली और पार्क से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास भी मेयर सुषमा खर्कवाल द्वारा किया गया। पहला कार्य मिर्जा मंडी मोहल्ले में एमबी हॉस्पिटल से भूपेंद्र नाथ मल्होत्रा के आवास तक सीसी रोड निर्माण का है। इस सड़क का निर्माण 9.85 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। दूसरा कार्य शंकरी टोला मोहल्ले में चम्पू जी हनुमान मंदिर से अजय व अचल अग्रवाल के भवन होते हुए हिमांशु के आवास तक सीसी रोड व नाली निर्माण का है। इसकी लागत 9.90 लाख रुपए निर्धारित की गई है। तीसरा कार्य श्री कोनेश्वर मंदिर से एमपी हॉस्पिटल तक सीसी रोड व नाली निर्माण का है, जिसकी लागत 9.80 लाख रुपए है। चौथा कार्य शंकरी टोला पार्क, दर्जी बगिया पार्क, टंडन फव्वारा व लाजपत नगर पार्क की रंगाई पुताई से संबंधित है, जिस पर 9.88 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा सोंधी टोला पार्क में बाउंड्री, गेट व फुटपाथ निर्माण के लिए 19.93 लाख रुपए की लागत स्वीकृत की गई है। कार्यक्रम में पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी पम्मी, स्थानीय पार्षद एवं कार्यकारिणी सदस्य अनुराग मिश्रा 'अन्नू', डॉ. उमंग खन्ना, लखनऊ व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम कपूर, कवि सर्वेश अस्थाना, कवि सूर्य कुमार पाण्डेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में थाने के पास से मुंशी का अपहरण

लखनऊ, संवाददाता। इटौंजा थाने से मात्र 200 मीटर की दूरी पर एक युवक का अपहरण कर लिया गया। काली स्कॉर्पियो में आए बदमाशों ने युवक को 3 घंटे तक गाड़ी में घुमाकर पीटा। उसके बाद एक ढाबे के पास फेंककर फरार हो गए। पीड़ित को गंभीर चोट आई है। यह घटना आज, सोमवार दोपहर करीब 12 बजे इटौंजा ओवरब्रिज पर हुई। पीड़ित की पहचान सीतापुर के बेरसापुर थाना अटारिया के आलोक सिंह के रूप में हुई। वह लखनऊ कोर्ट में एक वकील के मुंशी हैं। उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजनों ने पुलिस पर उचित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाकर थाने के बाहर धरना शुरू कर दिया है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे इटौंजा ओवरब्रिज पर स्कॉर्पियो सवार युवकों ने बाइक सवार आलोक सिंह को टक्कर मार दी। बाइक से गिरने के बाद हमलावरों ने उन्हें जबरन स्कॉर्पियो में बैठा लिया। चलती गाड़ी में लगभग तीन घंटे तक उनकी पिटाई की गई। पिटाई के बाद हमलावर आलोक सिंह को बिठौली क्रॉसिंग के पास स्थित पंडित ढाबा के पास फेंकर फरार हो गए। पास से गुजर रहे एक परिचित ने घायल आलोक सिंह के भाई अरुण सिंह को घटना की सूचना दी।

लखनऊ एयरपोर्ट एशिया प्रशांत का सर्वश्रेष्ठ प्रस्थान हवाई अड्डा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। इसे श्5–15 मिलियन यात्रीश श्रेणी में एशिया प्रशांत क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रस्थान हवाई अड्डा और विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ आगमन हवाई अड्डा चुना गया है। यह जानकारी एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने दी। ये सम्मान एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) के तत्वावधान में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किए जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि यह पुरस्कार उत्कृष्ट यात्री सुविधाओं, पारदर्शी एवं सुगम प्रक्रियाओं तथा गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए दिए गए हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि सुव्यवस्थित प्रस्थान व्यवस्था से लेकर सहज और यादगार आगमन अनुभव तक, हर स्तर पर यात्रियों की अपेक्षाओं से बढ़कर सेवा देने का प्रयास किया गया है। यह वैश्विक पहचान समर्पित हवाई अड्डा टीम के निरंतर प्रयासों और उत्कृष्ट सेवा मानकों का परिणाम है।

सम्पादकीय.....

विरोध करना अपराध नहीं है

नयी दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के शर्ट उतार कर प्रदर्शन करने से भाजपा ने देश में ऐसा सियासी बवाल खड़ा किया मानो लोकतंत्र में विरोध–प्रदर्शन करना कोई बड़ा गुनाह है। अब इस बात को देखकर हैरानी भी नहीं होती कि भाजपा के साथ–साथ कई स्वयंभू बड़े पत्रकारों ने भी इस प्रदर्शन पर कांग्रेस को नसीहतें देना शुरु कर दिया कि विरोध का ये कोई तरीका नहीं होता। इन पत्रकारों ने शायद अब आईने में अपना चेहरा देखना ही बंद कर दिया है, क्योंकि देखेंगे तो असलियत दिखाई पड़ेगी कि मोदी सरकार के 12 बरसों में एक से बढ़कर एक गलत फैसले पूरी तरह सोच–समझ कर लिए गए, जिनसे आम जनता की जान पर बन आई, लेकिन तब इनके मुंह से ये नहीं निकला कि सत्ता चलाने का ये कोई तरीका नहीं है। नोटबंदी, लॉकडाउन, सांसदों का निलंबन ऐसे बड़े मामले तो छोड़ ही दीजिए, जनता के टैक्स पर प्रधानमंत्री के मन की बात को तमाम भाजपाई मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक बड़ी स्क्रीन लगाकर सुनते हैं, या प्रधानमंत्री ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के लिए जितना तामझाम करते हैं, उस पर क्या पत्रकारों ने लगातार सवाल उठाए। अगर पत्रकार ईमानदारी से रोजाना सरकार को गलत बात पर टोकते रहे, उससे जुड़े कार्यक्रम करते रहें, तो मजाल है कि कोई सरकार इतनी मनमानी करे, जितनी मोदी सरकार करती है। लेकिन 2014 के बाद एक अलग ही चलन बन गया है कि सारी जिम्मेदारी विपक्ष पर डाल दी जाती है, सवाल भी विपक्ष से ही होते हैं। पिछले कार्यकाल में अधीर रंजन चौधरी नेता प्रतिपक्ष थे, तो उनसे उतने सवाल नहीं होते थे, वो कब संसद में आए या संसद सत्र के दौरान कहां रहे, इसकी भी जानकारी पत्रकारों को शायद ही होती होगी। लेकिन राहुल गांधी जब से नेता प्रतिपक्ष बने हैं, सवालों के तीर उनकी तरफ ही रहते हैं। सत्र में व्यवधान हो तो उसके जिम्मेदार राहुल गांधी हैं, प्रधानमंत्री संसद न आएं तो उसके भी जिम्मेदार राहुल गांधी हैं और अगर सत्र के बीच में दो–चार दिन के लिए राहुल गांधी कहीं चले जाएं, तो उन्हें पार्ट टाइम राजनेता कहने में गुरेज नहीं होता। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी से कभी कोई सवाल नहीं होता और अब तो पत्रकारों ने ये पूछना भी जरूरी नहीं समझा कि आप हर महीने आकर अपने मन की बात सुनाते हैं, तो कभी खुली प्रेस कांफ्रेंस क्यों नहीं करते, ताकि हम भी जनता से जुड़े सवाल सीधे आपके सामने रख सकें। बहरहाल, आज का दौर ऐसा हो चुका है कि अब सरकार के साथ–साथ पत्रकारों से निष्पक्ष रहने की उम्मीद भी खत्म होती जा रही है। जहां तक सवाल युवा कांग्रेस के विरोध–प्रदर्शन का है, तो लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध अधिकार ही होता है, अपराध नहीं होता। 2010 में जब दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेल आयोजित हुए थे, तब भाजपा ने भी विरोध किया था। तब भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही था, तो क्या उसमें देश की बदनामी नहीं हुई होगी। असल में भाजपा को देश की नहीं अपनी बदनामी का डर सता रहा है। क्योंकि युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड लिखी जो टी शर्ट्स दिखाकर विरोध किया, उसमें संदेश दूर–दूर तक पहुंच गया कि हमारे प्रधानमंत्री खुद को या अपने मित्रों के बचाने के लिए किसी भी हद तक झुक कर समझौता कर सकते हैं। वैसे राहुल गांधी यह बात पहले ही संसद में कह चुके हैं और इस आरोप को लगाने की वजह खुद मोदी सरकार ने ही दी है। कांग्रेस उनसे बार–बार पूछ रही है कि आखिर व्यापार सौदे में डोनाल्ड ट्रंप की सारी शर्तों को मानने की कौन सी मजबूरी है। ट्रंप ने केवल भारत पर ही नहीं दुनिया के कई देशों पर टैरिफ थोपे हैं, लेकिन चीन जैसे शक्तिशाली देश से लेकर ब्राजील जैसे विकासशील देश ने अपनी शर्तें खुलकर ट्रंप के सामने रखीं और बेजा बातों को मानने से इंकार कर दिया। नरेन्द्र मोदी ऐसा क्यों नहीं कर पाए, किसलिए रूस जैसे पुराने मित्र से तेल खरीदना बंद किया, पांच सौ बिलियन डॉलर का सामान अमेरिका से खरीदने की शर्त क्यों मान ली। अगर सरकार इनका तार्किक जवाब दे देती तो शायद कांग्रेस को विरोध का मौका नहीं मिलता। लेकिन जवाब देने की जगह प्रधानमंत्री मोदी संसद से नदारद हो गए और उनके दूसरे मंत्री एक–दूसरे पर इन सवालों को टालते रहे कि इनसे पूछो, हमें नहीं मालूम। ऐसे टरकाने वाले रवैये से शक ही पैदा होगा कि कोई न कोई ऐसी मजबूरी है, जो मोदी सरकार देश से छिपा रही है और किसानों, व्यापारियों का हित दांव पर लगा रही है। हैरानी की बात ये है कि अभी अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट तक ने ट्रंप सरकार के खिलाफ फैसला दिया है कि टैरिफ लगाने का हक उसे नहीं है। अगर मोदी सरकार इस फैसले का इंतजार करती और हड़बड़ी में फरवरी की शुरुआत में व्यापार समझौता नहीं करती तो शायद देश का भविष्य दांव पर नहीं लगता। लेकिन अब देर हो चुकी है और मामले को संभालने की कोशिश भी सरकार नहीं कर रही है। व्यापार समझौते के अलावा एपस्टीन मामले में भी नरेन्द्र मोदी का रवैया हैरान करने वाला है। दुनिया भर में इसमें जिन लोगों के नाम आए हैं, उनके इस्तीफे हो रहे हैं।

बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारने के संकेत

नित्य चक्रवर्ती

भारतीय विदेश मंत्रालय में अनुभवी राजनयिक हैं। इसलिए यह देखकर अच्छा लगा कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को ही तारिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को व्यक्तिगत संदेश भेजकर सही कदम उठाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि आपकी जीत बांग्लादेश के लोगों के आपके नेतृत्व पर दिखाए गए भरोसे और विश्वास का सुबूत है और देश को शांति, स्थिरता और खुशहाली के रास्ते पर आगे ले जाने के आपकी दृष्टि के लिए उनका जनादेश है। यह जनादेश की वैधता और दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को बेहतर बनाने में बीएनपी की अगुवाई वाली सरकार के नए प्रधान मंत्री की भूमिका पर बांग्लादेशियों के भरोसे का एक तरह से समर्थन है। यह साफ है कि इस समय, भारत सरकार के पास नई बीएनपी सरकार के साथ पूरी तरह से आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और प्रधानमंत्री रहमान सबसे अच्छा दांव हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि अभी तारिक रहमान के पास शेख हसीना को भारत से ढाका वापस भेजने के मुद्दे को न्यायाधिकरण और फिर अदलत के आदेश के मुताबिक, और चुनाव प्रचार के दौरान बीएनपी के वादे के मुताबिक, जोर–शोर से उठाने के अलावा कोई चारा नहीं है। बीएनपी के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात बहुत जोश में भरी जमात–ए–इस्लामी है, जो दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और उसके गठबंधन में 77 सीटें हैं और जो प्रधानमंत्री तारिक के भारत के पक्ष में उठाए गए हर कदम का इस्तेमाल यह प्रचार करने के लिए करेगी कि तारिक हसीना के रास्ते पर जा रहे हैं। भारत उन्हें बांग्लादेश के हितों के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। इसलिए तारिक के हाथ बंधे हुए हैं। अगर वह भारत के प्रति दोस्ताना रवैया भी चाहते हैं, तो उन्हें अपनी बांग्लादेश वफादारी की परीक्षा पास करनी होगी क्योंकि जमात वहां की संसद और बाहर सड़कों पर, दोनों जगह उनकी गर्दन पर सवार है, जो बांग्लादेश की राजनीति में सरकारों की किस्मत तय करती है। भारतीय विदेश मंत्रालय में अनुभवी राजनयिक हैं। इसलिए यह देखकर अच्छा लगा कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को ही तारिक रहमान के शपथ ग्रहण के दिन जमात नेता शफीकुर रहमान से बहुत चुपचाप मुलाकात की। यह सबसे अहम मीटिंग थी क्योंकि भारत के विदेश सचिव उस आदमी को जानते थे जो भारत–बांग्लादेश रिश्तों का रास्ता तय करने में असली शक्ति का इस्तेमाल करेगा और इसलिए उसे लाड़–प्यार करना होगा। यह पता नहीं है कि जमात नेता ने क्या प्रतिक्रिया दी, लेकिन भारत के अधिकारियों के लिए, जमात के साथ यह बातचीत राजनयिक प्रक्रिया का हिस्सा होनी चाहिए अगर भारत सच में द्विपक्षीय रिश्तों में जल्दी सुधार चाहता है। आखिर बांग्लादेश से लगी भारतीय सीमा पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए जमात की भूमिका का इतना महत्व क्यों है? यह इस बात में अन्तर्निहित है कि 12 फरवरी को बांग्लादेश के सभी सीमावर्ती जिलों में हुए चुनावों में, जमात ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे भारत के गृह मंत्रालय के अधिकारियों, खासकर पूर्वी इलाके के बीएसएफ अधिकारियों में डर पैदा हो गया है। बांग्लादेश के खुलना, राजसाही, तथा रंगपुर जिलों, जो पश्चिम बंगाल से लगते हैं, में जमात ने जीत हासिल की है। जैसे, खुलना में, जमात को 36 में से 25 सीटें मिलीं। इन सीमावर्ती जिलों में बहुत सारे भारत–विरोधी तत्व सक्रिय हैं, जिनमें बागी भी शामिल हैं, जिन्हें बीएनपी–जमात राज के दौरान जमात ने पनाह दी थी। शेख हसीना ने 2009 के बाद इसे रोक दिया। असल में,बाद में जमात को काम करने की इजाजत नहीं दी गई, और उसके विदेशी फंड पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अब सीमावर्ती जिलों पर पूरा कब्जा होने के कारण, जमात के गुंडे तत्वों को खुली छूट मिलेगी, जब तक कि उन्हें ऊपर से रोका न जाए। यह बीएनपी सरकार और जमात नेतृत्व, दोनों स्तरों पर किया गया है। भारत सरकार जमात के साथ करीबी तालमेल रखकर इसे बेहतर तरीके से ठीक कर सकती है। मैं कुछ बातें बताना चाहता हूं जिन पर बिलकुल भी बात नहीं होती। बांग्लादेश संवैधानिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है जो इस्लाम को राज्य का धर्म भी मानता है। 18 करोड़ आबादी में से लगभग 17 करोड़ मुस्लिम हैं और लगभग एक करोड़ अल्पसंख्यक, जिनमें ज्यादातर हिंदू हैं। दूसरे इस्लामिक देशों की तरह, बांग्लादेश में हमेशा कट्टरपंथियों का एक ग्रुप रहता है। जमात में कई समझदार लोग हैं जो अल्पसंख्यकों के प्रति समझदार हैं। साथ ही, कुछ ऐसे ग्रुप भी हैं जो कट्टर हिंदू विरोधी और भारत विरोधी हैं। भारत में, हमारा एक धर्मनिरपेक्ष संविधान है। कोई सरकारी धर्म नहीं है, लेकिन फिर भी आरएसएस और बजरंग दल से जुड़े भाजपा के कुछ लोग मुसलमानों के कट्टर विरोधी हैं, जबकि भारत की आबादी में मुसलमानों की संख्या 14प्रतिशत से ज्यादा है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनने के बाद पिछले अठारह महीनों में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अधिकारियों ने बहुत सारी गलतियां की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान डॉ. यूनुस के द्विपक्षीय वार्ता के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। भारतीय प्रधानमंत्री ने डॉ. यूनुस से मिलने से बचने के लिए जानबूझकर न्यूयॉर्क संयुक्त राष्ट्र आम सभा में भाग लेने का अपना समय बदल दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान बांग्लादेशियों को दीमक कहा। इन सभी गलतियों ने बांग्लादेश में भारत–विरोधी भावनाओं को और बढ़ा दिया। बांग्लादेश में पहले भारत के समर्थक लोग भी भारत–विरोधी हो गए। आखिर में, मोदी सरकार ने बीसीसीआई को बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को खेलने से रोकने के फैसले के लिए उकसाया। आईपीएल में भारत–विरोधी भावनाओं को और भड़काया गया। मोदी सरकार को कुछ और समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, भले ही अब अचानक प्रधानमंत्री तारिक को गले लगाने के लिए हद पार कर रहे हैं, जैसा उन्होंने अपने शुरुआती प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में पाकिस्तान के नवाज शरीफ के साथ किया था। बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारना एक लंबा और मुश्किल सफर होगा।

भारतीय अधिकारियों को बीएनपी नेता और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक और विपक्षी जमात नेता शफीकुर रहमान दोनों को मनाना होगा साथ ही, भारत को यह पक्का करना चाहिए कि शेख हसीना के प्रत्यार्पण को छोड़कर दूसरे मामलों पर बातचीत रिश्ते सुधारने के लिए सही मायने में शुरू हो। खासकर, आर्थिक मुद्दों पर अब ध्यान देना चाहिए। हसीना मुद्दे में लंबा समय लगेगा और आर्थिक मदद से ठीक होने की प्रक्रिया शुरू करके, भारत हसीना के प्रत्यार्पण के मुद्दे पर सही समाधान के लिए आधार बना सकता है। भारत को बीएनपी और जमात दोनों को यह तरीका अपनाने के लिए मनाना होगा।

हम करें तो लंगोट ढीला आप करो तो रासलीला!

शकील अख्तर

क्या दिन ले आए? उस भाषा और मुहावरों को याद करना पड़ रहा है जो कभी अच्छे नहीं लगे। मगर इन्हें अच्छे भी वही लगते थे और समझ में भी वही आते हैं। अमर सिंह कहते थे हम करें तो लंगोट ढीला और आप करें तो रासलीला! मुंबई में 26ध्11 के हमले के समय जब सुरक्षा बल और सरकार आतंकवादियों से लड़ रही थे। वास्तविक रूप से आमने–सामने। तब मोदी प्रेस कान्फ्रेंस करके सरकार पर आरोप लगा रहे थे। और देश एवं सुरक्षा बलों का ध्यान भटका रहे थे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा का भी सवाल था और अन्तरराष्ट्रीय भी। ऐसे कई उदाहरण हैं। मगर अभी कांग्रेस के नहीं उसके यूथ मोर्चे के एक प्रदर्शन को लेकर भाजपा ही नहीं विपक्ष के दूसरे दल भी और गोदी मीडिया एवं भक्त तो थे ही कांग्रेस और राहुल पर हमलावर हो गए। उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय के शिक्षक सब्बरवाल की हत्या विद्यार्थी परिषद के नेताओं ने पीट–पीट कर कर दी थी। पूरी भाजपा की राज्य सरकार हत्यारों के साथ खड़ी हो गई थी। किसी को सजा नहीं हुई। अदालत से सब बरी हो गए। परिवार वाले रोते रहे। यूथ कांग्रेस ने केवल प्रदर्शन किया था और उसके सदस्यों पर गिरफ्तारी के साथ गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज किया गया। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर अभी निवर्तमान हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा कहते हैं कि कांग्रेस को विपक्ष की भूमिका कैसे निभाना चाहिए यह हम सिखा सकते हैं! क्या सिखाएंगे के देश का प्रधानमंत्री जब अमेरिका में अन्तरराष्ट्रीय नेताओं से बात कर रहा हो पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों के बारे में उन्हें बता रहा हो तो आप भारत में उसी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को कोट करके कहेंगे कि भारत का प्रधानमंत्री देहाती औरतों की तरह बात करता है! मनमोहन सिंह के लिए कहा था यह मोदी ने। और किसका हवाला देकर? कहा था नवाज शरीफ अमेरिका के राष्ट्रपति से यह कह रहे हैं। यह दो नहीं तीन मामले थे। अन्तरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की प्रतिष्ठा का भी। और भारतीय प्रधानमंत्री का सम्मान कैसे किया जाता है इसका एक उदाहरण। अभी नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भारत का कोई प्रधानमंत्री ऐसा नहीं कर सकता है। राहुल ने भारतीय प्रधानमंत्री पद की पूरी गरिमा रखते हुए कहा था कि अगर व्यक्तिगत रूप से किसी का कोई मुद्दा न हो तो अमेरिका के साथ ऐसी डील कोई भारतीय प्रधानमंत्री नहीं करेगा। प्रधानमंत्री पद की लाज रखी और मोदी के व्यक्तिगत रूप से कम्प्रोमाइजड होने पर सवाल किया। विपक्ष के रूप में यह भारीपन संयम और देश के सम्मान का ख्याल रखना क्या गलत है? जो कांग्रेस को विपक्ष में क्या करना है यह सिखाना चाहते हैं। जब यह इतने पढ़े–लिखे और दुनिया भर में अपनी विद्वता के लिए सम्मानित प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए देहाती औरत, चुगली करने वाली बोलते हैं तो इनके लिए जिनकी डिग्री पर ही सवाल है के लिए अगर इन्हीं जैसा विपक्ष होता तो क्या बोलता? खुद ही सोच लेना चाहिए और गोदी मीडिया, भक्तों को भी। इसीलिए अमर सिंह के इस तकिया कलाम की याद आई– हम करें तो लंगोट ढीला और आप करें तो रासलीला। जब देश का माहौल सभ्य बनाया जाता है तो पढ़े–लिखे लोगों के कोट (उद्धरण) याद आते हैं। लेकिन आज के समय में उसे समझेगा कौन? हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का नाम जब तुक मिलाने के लिए हार्ड वर्क के साथ लिया जाता हो तब आप समझ सकते हैं कि देश की सोच समझ को किस तरह गलत मुहावरों भाषाई जाल में जकड़ा जा रहा है। किसी भी देश समाज को अंदर से खोखला करने के लिए जो एक तत्व सबसे ज्यादा जिम्मेदार होता है वह है दोहरा चरित्र। दो पैमाने। आप के लिए कुछ अपने लिए कुछ। पाखंड। हिप्पोक्रेसी। यह अन्तरविरोध, सेल्फ कंट्राडिक्शन व्यक्ति को ही नहीं, समाज और देश को भी मार देते हैं। खुद को अलग पैमानों पर खड़ा समझता है। और बाकियों को खुद के ही निर्धारित दूसरे पैमानों पर नीचे खड़ा देखने लगता है। काल्पनिक शक्ति, दंभ के नशे में। वही हाल है। मुद्दा था अमेरिका के साथ इकतरफा डील का। जो रोज अमेरिका की तरफ से ही बताई जाती है। उसी की शर्तें होती है। मगर तुमने उसका विरोध इस तरह से क्यों कर दिया? क्या पहले इस तरह के विरोध नहीं हुए थे? तब हुए थे जब कोई मुद्दा ही नहीं था। केवल विरोध करने के लिए विरोध हुए थे। आज तो मुद्दे से कोई इनकार नहीं कर रहा। मगर जब कामनवेल्थ गेम के समय विरोध किया गया था तब क्या वह जिला स्तरीय खेल थे। अन्तरराष्ट्रीय नहीं? भाजपा ने केवल सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन ही नहीं किए थे। उसके सहारे एक नकली आंदोलन की शुरूआत करके प्रधानमंत्री बनने वाले मोदी ने अभी दो साल पहले जी 20 जो मोदी के प्रधानमंत्री होने के नाते हमारे यहां आयोजित नहीं हुआ था क्रमवार हर देश में होता रहता है उस समय क्या कहा था? कहा था कामलवेल्थ गेम में देश की बदनामी हुई थी। विरोध करके बदनामी तो आपने करवाई थी। 2010। क्या क्या आरोप लगाए थे। 16 साल हो रहे हैं। इनमें 12 साल आपकी सरकार को। क्या हुआ? घोटाले के कोई सबूत नहीं मिले। कोर्ट ने क्लीन चिट दे दी। फिर आपके उसके खिलाफ प्रदर्शन और अभी जी 20 के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान खुद अपने देश के कामनवेल्थ को लेकर झूठी बदनामी करने क्योंकि उसमें खुद आपकी सरकार कुछ नहीं ढूंढ पाई को क्या कहेंगे? यही हिप्पोक्रेसी है। आपको प्रधानमंत्री पद मिल गया। लेकिन देश कहां पहुंच गया? अमेरिका के शिकंजे में। इसका विरोध करने पर सारा हंगामा खड़ा कर दिया। ऐसे नहीं ऐसे करना था। हम से सीखते। क्या सिखाते? झूठे आरोप लगाकर प्रधानमंत्री बनने का रास्ता। कामनवेल्थ के बाद टूजी लाए। और एक आज तक का सबसे हिप्पोक्रेट आदमी अन्ना हजारे! मनमोहन सिंह के घर में सीबीआई पहुंचाई थी। क्या मिला? बीजेपी सिर्फ इशु को डाइवर्ट करना जानती है। इसमें मीडिया उसका सबसे बड़ा सहयोगी है। बीजेपी का सत्ता में रहना नहीं रहना उसके लिए महत्व नहीं रखता। वह क्लास सिम्पैथी है। वर्गीय सहयोग। दोनों सामान्य जन के विरोधी हैं। सेठ साहूकारों के समर्थक। यूपीए की सरकार के समय 2010 से मीडिया उसका विरोध करने लगा था। कारण सोनिया गांधी की आम जन के हितों की योजनाएं थीं। किसानों की कर्ज माफी से लेकर, मनरेगा, राइट टू इन्फारमेशन, महिला बिल जैसे सारे कार्यक्रम आम लोगों से जुड़े हुए थे। राहुल भी आज आम लोगों की बात करते हैं। अमेरिका के साथ डील में किसान को छोटे उद्योपतियों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग) को क्या नुकसान होगा इसकी बात कर रहे हैं।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

घर बैठे ही कर रहे, शापिंग अब तो लोग।
आज सभी को लग गया, कैसा है यह रोग।।
कैसा है यह रोग, हाथ मोबाइल सबके।
खत्म दिखे सामान,मँगा लो आर्डर कर के।।
कहती रचना आज, स्विगी जोमैटो पथ पर।
बाँधे पीछे बैग, दौड़ते दिखते घर - घर।।

मोबाइल अब कर रहा, सबके काम हजार
इसके बिन कैसे जियें, इस पर करो विचार।
इस पर करो विचार, समय भी यही बताता।
मन की सारी बात, दूर पल में पहुँचाता।।
कहती रचना आज, यही नव युग का स्टाइल।
बना बैंक बाजार, सभी कुछ यह मोबाइल।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

ए.आई. नौकरियां नहीं छीन रहा, बल्कि दे रहा नए हुनर सीखने का अवसर

दिनेश सूद

दिल्ली के भारत मंडपम में पहला 'इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट समिट' आयोजित करने का भारत का फैसला केवल तकनीकी या कूटनीतिक नहीं, बल्कि यह एक गहरे बदलाव का संकेत है। यह बदलाव इस बात से जुड़ा है कि आने वाले समय में काम कैसे होगा। नौकरियां कैसे मिलेंगी? लोग अपने करियर को कैसे आगे बढ़ाएंगे? आज आम धारणा यह बन रही है कि आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस यानी ए.आई. लोगों की नौकरियां छीन लेगा। लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। ए.आई. काम को खत्म नहीं कर रहा, बल्कि पुराने और जड़ हो चुके रोजगार के तरीकों को बदल रहा है और लोगों को नए हुनर सीखने के लिए प्रेरित कर रहा है। ए.आई. खासतौर पर उन कामों को बहुत तेजी से और सटीक तरीके से कर सकता है, जो बार–बार दोहराए जाते हैं और जिनमें ज्यादा रचनात्मक सोच की जरूरत नहीं होती। जैसे रिपोर्ट बनाना, डाटा का विश्लेषण करना, सामान्य कोड लिखना, ग्राहक सेवा के सवालों के जवाब देना या दस्तावेजों को व्यवस्थित करना। पहले इन कामों के लिए बड़ी संख्या में जूनियर कर्मचारियों की जरूरत होती थी। अब वही काम ए.आई. कुछ ही मिनटों में कर सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि काम खत्म हो गया, बल्कि इसका मतलब यह है कि काम की प्रकृति तेजी से बदल रही है। इतिहास गवाह है कि हर नई तकनीक ने पुराने कामों को बदला है लेकिन साथ ही नए अवसर भी पैदा किए हैं। जब मशीनें आईं, तो हाथ से काम करने वाले कारीगरों की जरूरत कम हुई, लेकिन इंजीनियर, मशीन ऑप्रेटर और मैनेजर जैसे नए पेशे सामने आए। 1990 के दशक में कम्प्यूटर आए, तो टाइपिस्ट और क्लर्क की जरूरत कम नहीं हुई, बल्कि वे भी कम्प्यूटर सीख कर काम में तेजी लाए। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डिजिटल मार्कीटिंग विशेषज्ञ और डाटा विश्लेषक जैसे नए पेशे पैदा हुए। आज ए.आई. उसी प्रक्रिया का अगला चरण है। ए.आई. की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह इंसानों की जगह लेने की बजाय उनकी क्षमता को बढ़ाता है। ए.आई. जानकारी दे सकता है, सुझाव दे सकता है और कई कामों को आसान बना सकता है लेकिन अंतिम निर्णय लेना, सही दिशा तय करना और जटिल समस्याओं को समझना अभी भी इंसानों की जिम्मेदारी है। उदाहरण के लिए, ए.आई. कोड लिख सकता है लेकिन यह तय करना कि उस कोड का इस्तेमाल कैसे होगा और वह किसी कंपनी या समाज के लिए कितना उपयोगी होगा, यह इंसान ही तय करता है। इसी तरह, ए.आई. डॉक्टर की मदद कर सकता है लेकिन मरीज के साथ बातचीत करना और उसकी बीमारी व भावनाओं को डॉक्टर ही समझ सकता है। इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि अब केवल डिग्रीधारी होना काफी नहीं होगा। अब सबसे जरूरी है लगातार नए हुनर सीखना। इसमें सोचने की क्षमता, समस्या सुलझाने की योग्यता, रचनात्मकता और नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता विकसित करने की जरूरत है। भारत के लिए यह बदलाव एक बड़ी चुनौती होने के साथ एक बड़ा अवसर भी है। भारत की युवा आबादी, मजबूत डिजिटल ढांचा और तेजी से बढ़ती तकनीकी क्षमता इसे ए.आई. युग में अग्रणी बना सकती है। भारत ने पहले ही डिजिटल पहचान, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। अब ए.आई. शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और शासन जैसे क्षेत्रों में सुधार ला सकता है। यदि भारत अपने युवाओं को ए.आई. के साथ काम करने के लिए तैयार कर लेता है, तो वह दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ए.आई.–सक्षम राष्ट्र बन सकता है। लेकिन यदि ऐसा नहीं हुआ तो समाज में असमानता बढ़ सकती है, जहां कुछ लोग आगे बढ़ेंगे तो बाकी पीछे छूट जाएंगे। इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट समिट में 30 से अधिक देशों की भागीदारी से भारत इस बदलाव में आगे बढ़ कर नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। यह समिट केवल तकनीक के बारे में नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के बारे में है, कि ए.आई. का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। सच्चाई यह है कि ए.आई. काम का अंत नहीं है, बल्कि हुनरमंद युग की शुरुआत है।

सोनू के टीटू की स्वीटी से कार्तिक आर्यन के आइकॉनिक डायलॉग्स, जो आज भी जेहन में बसे हैं

रिलीज के 8 साल बाद भी सोनू के टीटू की स्वीटी पॉप–कल्चर में अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए हुए है और इसका बड़ा श्रेय जाता है कार्तिक आर्यन के उन यादगार डायलॉग्स को, जो उन्होंने सोनू के किरदार में बोले थे। सोनू के रूप में कार्तिक आर्यन के तीखे, बेबाक और बेहद रिलेटेबल इन डायलॉग्स ने दोस्ती और प्यार की उस सच्चाई को सामने रखा, जिसे मेनस्ट्रीम बॉलीवुड ने बेहद कम साफगोई से दिखाया है। हालांकि लेखक द्वारा लिखे गए इन लाइनों को खास बनाया कार्तिक के बोलने के अंदाज ने। नॉर्मल बातचीत के अंदाज में बोले गए यह डायलॉग इस कदर अंदर से चुभने वाले हैं, इसे आप खुद सुनकर जान सकते हैं। सच कहें तो ये डायलॉग्स स्क्रिप्टेड कम और देर रात की लगातार मेहनत का सबूत हैं, जो कार्तिक ने इसे मुकम्मल बनाने में लगाए। गौरतलब है कि सोनू के टीटू की स्वीटी में जहाँ बाकी किरदार चुप रहते थे, वहीं सोनू असहज सच्चाइयाँ खुलकर कह देता था और यही वजह थी कि दर्शक उससे तुरंत जुड़ गए। तो आइए जानते हैं सोनू के टीटू की स्वीटी के पाँच आइकॉनिक डायलॉग्स हैं, जो आज भी उतने ही कोट किए जाते हैं,

1. "इस दुनिया के हर बीरुपलम को लगता है कि उसकी वाली अलग है, और तेरे मुँह से ये 'अलग है' सुनकर मुझे यकीन हो गया है कि 'एल' लगने वाले हैं।" यह एक कड़वा–सच है, जो मीम बनकर हर जगह छा गया।

2. "दो साल में, चौबीस महीनों में, 104 हफ्तों में, 102 हफ्ते रुलाया है इसने, एक हफ्ता पर साल की खुशी का एवरेज कौन–सी रिलेशनशिप में होता है?"इसमें सोनू की लॉजिक, निर्दयता के साथ बहस से परे है।

3. "भाई प्यार में लोग अंधे हो जाते हैं, बीरुपलम नहीं हो जाते।"

यह न सिर्फ सीधा, बल्कि बेधड़क और फिल्म के टोन को परिभाषित करता हुआ डायलॉग है।

4. "मैं तुझे उतनी ही गहरी खाई में कूदने दे सकता हूँ, जितनी मेरे पास रस्सी हो।"

इस डायलॉग में दोस्ती में छुपी चेतावनी है, जो कम शब्दों में बहुत कुछ कहती है।

5. "तेरे खाने से लेकर कपड़ों से लेकर टूथपेस्ट तक, सब वो चुनती है। अच्छा–खासा कोलगेट चल रहा था बचपन से। हर्बल के चक्कर में दिन भर मुँह में मिट्टी–सी फीलिंग आती है।"

इस डायलॉग में घरेलू झुंझलाहट है, जो पॉप–कल्चर गोल्ड बन गई।

दिलचस्प बात यह है कि आज भी ये डायलॉग्स मीम्स, रील्स और नॉस्टैल्जिक पोस्ट्स में बार–बार लौट आते हैं। आठ साल बाद भी सोनू के टीटू की स्वीटी के ये डायलॉग हमारे दिमाग में वैसे ही बसे हैं, और ये सिर्फ हमारा मनोरंजन नहीं करते, बल्कि हकीकत बयां करते हैं।

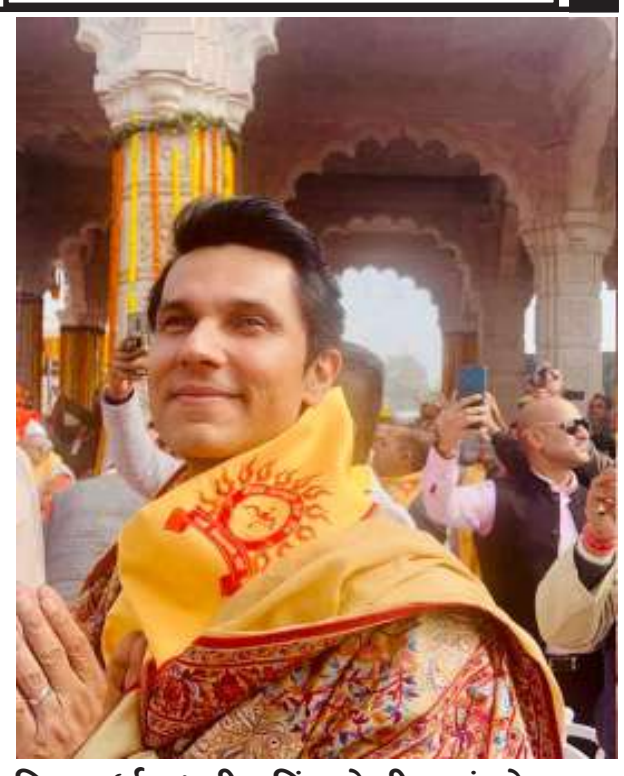

फिल्म 'ईथा' की शूटिंग के बीच मां कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर पहुंचे रणदीप हुड्डा, तन–मन से पूजा–अर्चना करते आए नजर

एक्टर रणदीप हुड्डा इन दिनों श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म 'ईथा' की शूटिंग कर रहे हैं। इसी बीच बिजी शेड्यूल से समय निकालकर एक्टर कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर के दर्शन करने पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म के लिए आशीर्वाद भी मांगा। इस दौरान की उनकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। 7वीं शताब्दी से जुड़ा यह प्राचीन मंदिर अपनी आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्ता के लिए जाना जाता है। यहां पहुंचकर रणदीप हुड्डा पूरे श्रद्धा भाव से भरे नजर आए और मां महालक्ष्मी की पूजा–अर्चना की। एक फोटो में वह नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहते नजर आए। फैंस एक्टर की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। रणदीप के करीबी सूत्र ने बताया, "यह समय रणदीप के जीवन में बहुत बदलाव लेकर आया है। वह एक महत्वपूर्ण फिल्म की शूटिंग पूरी कर रहे हैं और साथ ही पिता बनने की तैयारी भी कर रहे हैं, जिसे लेकर वह बहुत भावुक और उत्साहित हैं। कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन करना उनके लिए बहुत ही खास और आध्यात्मिक अनुभव था।" बता दें, एक तरफ जहां रणदीप हुड्डा अपनी अगली फिल्म 'ईथा' की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं उनकी पत्नी लिन लैशराम मार्च में एक्टर के पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं।

भक्ति के रंग में रंगीं नजर आईं पूनम पांडे, प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं

पूनम पांडे का नाम बॉलीवुड में अपने अभिनय को लेकर कम अपनी बोल्ड इमेज और कंट्रोवर्सी को लेकर ज्यादा चर्चा में रहा। लेकिन हाल में वह भक्ति के रंग में रंगीं दिखीं। पूनम पांडे का यह नया रूप देखकर फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स दंग रह गए। एक्ट्रेस की वीडियो, फोटो पर नेटिजंस ने हैरान होकर रिएक्शन भी दिए। सोशल मीडिया पर पूनम पांडे की कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हैं। जिसमें वह वृंदावन में ई–रिक्शा में बैठी दिखीं। बाद में प्रेमानंद महाराज के आश्रम में भी वह प्रवचन सुनती नजर आईं। आम लोगों के बीच में वह सादगी भरे अंदाज में बैठी थीं। एक और वायरल वीडियो में पूनम पांडे को वृंदावन के मंदिर में देखा गया। वह भगवान के दर्शन करते हुए भावुक दिखीं। वीडियो में उन्हें रोते हुए देखा जा सकता है। पूनम पांडे के चेहरे पर होली का रंग भी लगा हुआ था। दरअसल, इन दिनों वृंदावन में होली की शुरुआत हो चुकी है। कई यूजर्स ने पूनम पांडे में आए इस बदलाव का स्वागत किया। वहीं कुछ लोगों ने मजाक भी बनाया। यूजर्स ने तरह–तरह के रिएक्शन पूनम पांडे को लेकर दिए। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को लगता है कि वह परेशान हैं, इसलिए वृंदावन आई हैं, जबकि कुछ को यह सब ड्रामा ही लग रहा है।

अजय देवगन ने `धमाल 4' से अनिल कपूर को किया बाहर ? फिल्म का हिस्सा न होने पर खुद अभिनेता ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेता अनिल कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सूबेदार' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे पसंद किया जा रहा है। बुंदेलखंडी पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में 69 साल के अनिल कपूर एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के दौरान अनिल कपूर ने आगामी कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का हिस्सा न होने पर बात की। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अनिल कपूर ने निर्माता–निर्देशकों के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। इसी दौरान अनिल ने इंद्र कुमार की आगामी फिल्म 'धमाल 4' से खुद के बाहर होने पर प्रतिक्रिया दी। मजाकिया अंदाज में इस पूरे मामले पर बात करते हुए एक्टर ने इंद्र कुमार के साथ हुई अपनी बातचीत की नकल करके दिखाई। अनिल कपूर ने बताया कि मैंने इंद्र कुमार से पूछा, 'ऐ इंदु! क्या हो गया है? तेरी धमाल 4 में लिया नहीं मुझे पिक्चर में? चलो ठीक है कोई बात नहीं। अजय ने मना किया क्या?' तो अपना ये इसी तरह से सबके साथ चलता रहता है।

'धमाल' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म 'टोटल धमाल' में अनिल कपूर भी नजर आए थे। वो इस फिल्म में माधुरी दीक्षित के अपोजिट थे। अब जब फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म 'धमाल 4' बन रही है, तो इसमें फिल्म की प्रमुख कास्ट अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रितेश देशमुख और अजय देवगन शामिल हैं। इसके अलावा फिल्म में संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे नए चेहरों को भी शामिल किया गया। लेकिन अनिल कपूर इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म के 3 जुलाई को रिलीज होने की संभावना है। अनिल कपूर की आगामी फिल्म 'सूबेदार' की बात करें तो यह एक एक्शन फिल्म है। इसमें अनिल कपूर के साथ मोना सिंह, सौरभ शुक्ला, राधिका मदान और फैसल मलिक प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। सुरेश त्रिवेनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनिल कपूर सूबेदार अर्जुन मौर्य की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक रिटायर्ड सैनिक हैं। फिल्म में राधिका मदान उनकी बेटी की भूमिका में हैं।

किसी की नकल करना मजाक नहीं, बल्कि सम्मान है..पर्सनैलिटी राइट्स विवाद पर खुलकर बोले सुनील ग्रोवर

बॉलीवुड इंडस्ट्री से कई सितारे इन दिनों अपने श्पर्सनेलिटी राइट्सश को लेकर कानूनी कदम उठा रहे हैं, ताकि उनकी फोटो, आवाज या अंदाज का बिना पूछे इस्तेमाल न किया जा सके। इसी बीच हाल ही में कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सेलिब्रिटीज की नकल करने और श्पर्सनैलिटी राइट्सश के मामलों पर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इंटरव्यू में जब सुनील ग्रोवर से पूछा गया कि क्या उन्हें डर लगता है कि कभी उन पर भी केस हो सकता है? इस पर उन्होंने कहा कि जब तक उन पर कोई मामला नहीं आता, तब तक वह इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते। उनके लिए किसी की नकल करना मजाक उड़ाना नहीं, बल्कि एक तरह का सम्मान है। उनका मानना है कि जब कोई कलाकार किसी बड़े सितारे की नकल करता है, तो वह उनकी पॉपुलैरिटी का ही जश्न मनाता है। अगर कोई किसी की छवि का गलत इस्तेमाल करे, तो वह गलत है, लेकिन मंच पर या शो में किसी की स्टाइल को दोहराना, उन्हें सलाम करने जैसा है। सुनील ग्रोवर ने आगे कहा कि वो निजी जिंदगी को लेकर मजाक करने का समर्थन नहीं करते। हर चीज की एक मर्यादा होती है और किसी भी कलाकार की नकल करते समय गरिमा बनी रहनी चाहिए। बता दें, सुनील ग्रोवर कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो और द ग्रेट इंडियन कपिल शो का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने गुत्थी, डॉ. मशहूर गुलाटी और रिंकू भाभी जैसे किरदारों से दर्शकों का खूब दिल जीता है।

सुबह का नाश्ता कर देते हो मिस, तो पहले समझ लो न्यूरोलॉजिस्ट की ये बात

आजकल इंटरमिटेंट फास्टिंग और वजन घटाने के ट्रेंड के बीच कई लोग नाश्ता छोड़ देते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि इससे कोई नुकसान नहीं होता, जबकि कुछ इसे सेहत के लिए जरूरी मानते हैं। एक न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार, नाश्ता हर किसी के लिए एक जैसा जरूरी नहीं है, लेकिन कुछ परिस्थितियों में इसे छोड़ना खतरनाक हो सकता है।

कब नाश्ता छोड़ना खतरनाक हो सकता है?

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या रहती है, उनके लिए सुबह का खाना छोड़ना ट्रिगर बन सकता है। खाली पेट रहने से ब्लड शुगर गिरती है, जिससे सिरदर्द और तेज हो सकता है। जो लोग शुगर की दवा या इंसुलिन लेते हैं, उनके लिए नाश्ता छोड़ना जोखिम भरा हो सकता है। इससे ब्लड शुगर अचानक गिर या बढ़ सकती है, जो चक्कर, कमजोरी और बेहोशी तक का कारण बन सकती है। बच्चों का दिमाग तेजी से विकसित हो रहा होता है। सुबह का पोषण न मिलने पर उनकी एकाग्रता, याददाश्त और सीखने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

गर्भवती महिलाएं बिल्कुल ना छोड़ें नाश्ता

गर्भावस्था में लंबे समय तक खाली पेट रहना मां और शिशु दोनों के लिए ठीक नहीं माना जाता। इससे कमजोरी, मतली और लो ब्लड शुगर की समस्या हो सकती है। लो ब्लड प्रेशर या कमजोरी महसूस करने वाले लोगों को अगर सुबह उठते ही चक्कर आते हैं या कमजोरी महसूस होती है, तो नाश्ता छोड़ना स्थिति को और बिगाड़ सकता है।

कब छोड़ सकते हैं नाश्ता

यदि कोई व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ है, रात का खाना संतुलित और पौष्टिक लिया गया हो, शरीर को लंबे समय तक खाली पेट रहने की आदत हो (जैसे इंटरमिटेंट फास्टिंग करने वाले) दिनभर संतुलित आहार लिया जा रहा हो तो नाश्ता छोड़ा जा सकता है। न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि "दिमाग को नियमित ऊर्जा की जरूरत होती है। अगर शरीर को इसकी आदत नहीं है और अचानक नाश्ता छोड़ दिया जाए, तो यह दिमागी कार्यों पर असर डाल सकता है।"

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप वजन घटाने के लिए नाश्ता छोड़ रहे हैं, तो पहले विशेषज्ञ से सलाह लें। सुबह हल्का लेकिन प्रोटीन और फाइबर युक्त भोजन लें, जैसे दही, अंडा, दलिया या फल।लंबे समय तक खाली पेट रहने पर चक्कर, कंपकंपी या तेज सिरदर्द हो तो तुरंत कुछ खाएं। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है। नाश्ता छोड़ना सभी के लिए हानिकारक नहीं, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। इसलिए अपने शरीर के संकेतों को समझना और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लेना बेहद जरूरी है।

शादी से पहले इंस्टेंट ग्लोयिंग स्किन के लिए एक्ट्रेस लेती है आईवी ट्रीटमेंट

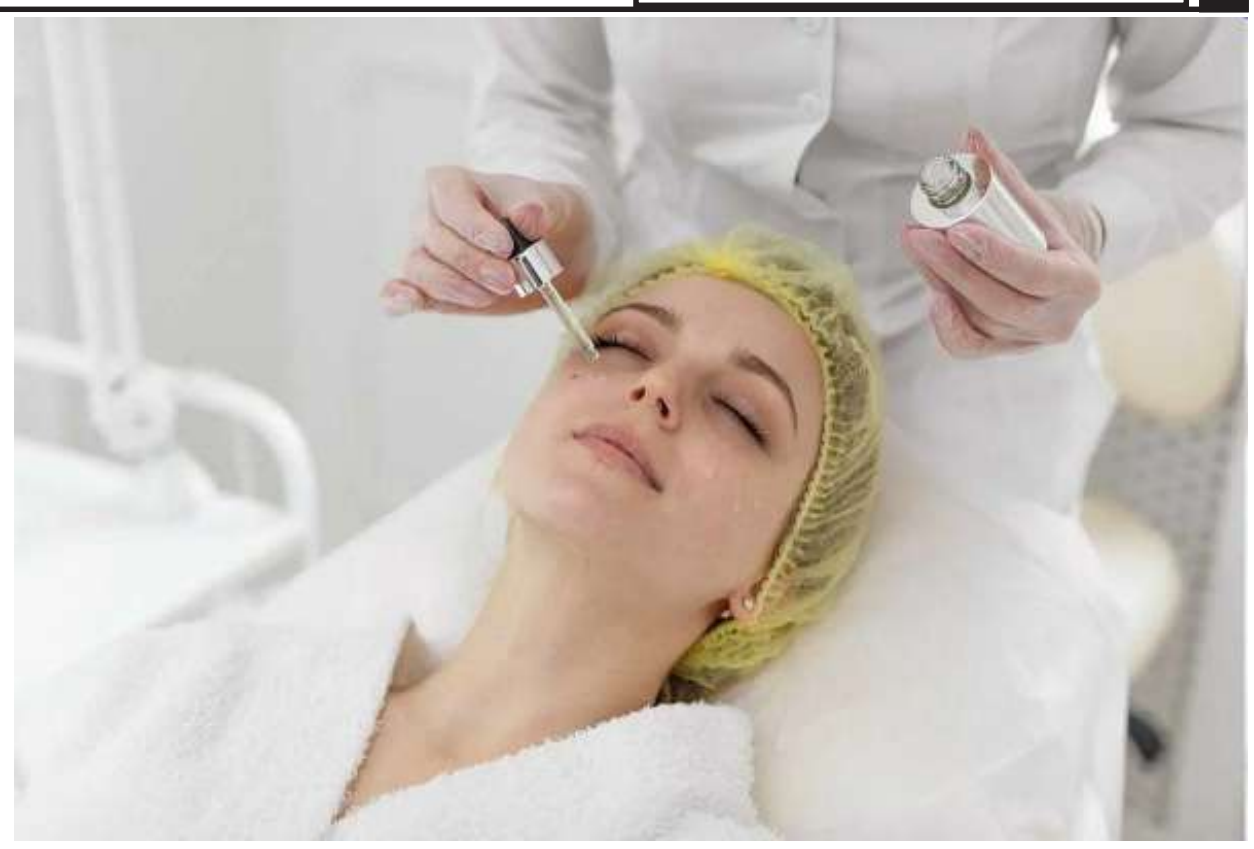

बॉलीवुड एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से ज्यादा फिटनेस और खूबसूरती के लिए जानी जाती है। बिना मेकअप के भी इन स्टार्स दीवा का फेस ग्लो करता है और आम लड़कियां भी उनके जैसी ग्लोइंग स्किन पाने की इच्छा रखती हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि फेमस सेलिब्रिटी अपनी बेदाग त्वचा को बरकरार कैसे रखती हैं? वैसे तो यह अपनी डाइट का ख्याल रखती हैं लेकिन इसके अलावा भी ये बहुत सारे ट्रीटमेंट्स लेती हैं जो इनके चेहरे पर चमक बनाए रखते हैं। आजकल खूबसूरत दिखने के लिए इन स्टार दीवा में आई वी (प्ट) ट्रीटमेंट खूब ट्रैंड में है जिसे लेते ही तुरंत चेहरे पर ग्लो आ जाता है। इसका इतना क्रेज है कि जान्हवी से लेकर सोनारिका भदौरिया तक ये ट्रीटमेंट ले रही हैं। अब आप भी सोच रहे होंगे कि ऐसा कौन सा ट्रीटमेंट आ गया जो खूबसूरती के लिए लिया जा रहा है और उसका तुरंत इफेक्ट भी मिल रहा है तो चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

क्या है आईवी ट्रीटमेंट?

इस ट्रीटमेंट को इंट्रावेनस (आईवी) विटामिन थेरेपी कहा जाता है। इस आईवी ट्रीटमेंट के जरिए एक खास तरह का ड्रिप लगाया जा रहा है। स्टार दीवा पार्टी, फंक्शन या फिर शादी से पहले ये ट्रीटमेंट लेती हैं। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया अपनी शादी से पहले (आईवी) ड्रिप चढ़वाती नजर आई हैं। इसके अलावा जाह्नवी कपूर भी ये ट्रीटमेंट लेती नजर आई थी। एक्ट्रेस एक फोटोशूट के दौरान ड्रिप लेती नजर आ रही थी।

इस इंट्रावेनस (आईवी) विटामिन थेरेपी को इंट्रावीनस माइक्रोन्यूट्रिएंट थेरेपी और हाइड्रेशन थेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। एक्सपर्ट इसे वेलनेस ड्रिप कहते हैं। वैसे तो इस ड्रिप का इस्तेमाल डॉक्टर बीमार व्यक्ति की हेल्थ को बूस्ट करने के लिए लगाई जाती है ताकि जल्दी रिकवर हो सके। ड्रिप के जरिए मेडिसिन शरीर में जाती है। इससे शरीर को वो पोषक तत्व मिलते हैं जिनकी कमी को नेचुरल तरीके या डाइट के माध्यम से पूरा नहीं किया जा सकता।

आईवी ट्रीटमेंट के फायदे

इस थेरेपी में शरीर के अंदर विटामिन और मिनरल्स को सीधे खून में पहुंचाया जाता है। बता दें कि इसमें विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन सी और ग्लूटाथियोन मौजूद होता है। जिनका इस्तेमाल त्वचा को गोरा करने के लिए किया जाता है। इस इन्फ्यूजन में 20 मिनट से एक घंटे तक का समय लगता है। कई मशहूर हस्तियां प्ट विटामिन थेरेपी लेती हैं और ये लोग प्ट बार, ड्रिप बार और प्ट लाउंज में ये थेरेपी लेती दिखती हैं।

आईवी ड्रिप से शरीर को विटामिन और मिनरल तो मिलते हैं ही साथ में इम्यून सिस्टम भी बूस्ट होता है जो रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ देता है। शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। एजिंग साइन को रोकता हैं और इससे स्किन सुंदर,फ्लेक्सिब और ग्लोइंग रहती हैं। कुछ रिपोर्ट्स ये भी कहती है कि ये हैंगओवर या पेट के फ्लू से भी राहत दिलाती है।

आईवी ट्रीटमेंट के साइड इफेक्टस

बता दें कि जहां यह कई फायदे देती है, वही इसके कुछ साइड इफेक्टस भी है। इसके कारण रक्त के थक्के, नसों में जलन और सूजन जैसी प्रॉब्लम हो सकती है। अगर इसकी मात्रा ज्यादा मात्रा हो जाए तो शरीर में पोषक तत्व की मात्रा बढ़ने से दिल, गुर्दे या रक्तचाप जैसी प्रॉब्लम होने की संभावना बढ़ जाती है।

धुंधली दिखती हैं, चीजें कम हो गई आंखों की रोशनी तो खाएं ये चीजें

आंखें शरीर का सबसे जरुरी हिस्सा मानी जाती है परंतु आजकल के खराब लाइफस्टाइल और गलत–खानपान का असर इन पर भी हो रहा है। घंटों तक लैपटॉप पर समय बिताने के कारण आंखें कमजोर हो रही हैं। छोटी उम्र में बच्चों की चश्मा लग रहा है। ऐसे में आंखों का ध्यान रखने के लिए अच्छी डाइट का ध्यान रखना जरुरी है। आंखों की देखभाल करने के साथ–साथ आप डाइट में हैल्दी चीजें शामिल कर सकते हैं। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसी चीजें बताते हैं जिनके जरिए आप आंखों की रोशनी तेज कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

अंजीर को करें डाइट में शामिल

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए डाइट में विटामिन–ए, सी और ई, जिंक, ल्यूटिन और जैक्सैन्थिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजों को शामिल करना जरुरी माना जाता है। वहीं अंजीर में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, पौटेशियम, आयरन, कॉपर, मैक्रो और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स, फाइबर और प्रोटीन जैसे गुण मौजूद होते हैं जो आंखों के अलावा पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

कैसे करें अंजीर का सेवन?

आंखों की रोशनी तेज करने के लिए आप अंजीर को कई तरह से डाइट में शामिल कर सकते हैं। 3–4 अंजीर को रातभर पानी में भिगोकर रख दें। फिर अगली सुबह उठकर खाली पेट इसका सेवन करें। आप चाहें तो दूध के साथ भी अंजीर खा सकते हैं। लगातार कुछ दिनों तक अंजीर का सेवन करने से आपको खुद ही फर्क दिखने लगेगा।

काली मिर्च, देसी घी और मिश्री

50 ग्राम काली मिर्च, 50 ग्राम धागे वाली मिश्री को बारीक पीस लें। फिर इसमें 250 ग्राम देसी घी मिलाएं और गर्म करें। सुबह शाम इस मिश्रण के दूध के साथ सेवन करने से भी आंखों की रोशनी तेज होगी।

मुंह की लार

सुबह के समय उठकर बिना कुल्ला किए हुए अपनी मुंह की लार को आंखों में काजल की तरह लगाएं। 6 महीने तक इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से चश्मे का नंबर कम होने लगेगा।

हल्दी की गांठ और नींबू का रस

हल्दी की गांठ को नींबू के रस में भिगोकर रखें। जब यह सूख जाए तो इसमें 30 दिन तक नींबू का रस डालें। 30 दिन बाद हल्दी की गांठ सुखाकर बारीक चूर्ण बना लें। चूर्ण को दिन में दो बार आंखों पर लगाने से भी आंखों की रोशनी तेज होने लगेगी।

विटामिन–ए युक्त डाइट

डाइट में विटामिन–ए युक्त चीजें शामिल करें। विटामिन–ए आंखों के लिए बेहद आवश्यक माना जाता है। गाजर, पपीता, आंवला, हरी पत्तेदार सब्जियां और शिमला मिर्च को अपनी डाइट में शामिल करें।

पत्ता एक फायदे अनेक! बस रोज सुबह खाली पेट खाएं, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

आयुर्वेद में नीम को सेहत का खजाना माना गया है। खासतौर पर सुबह खाली पेट नीम के पत्ते खाने से शरीर को कई बड़े फायदे मिल सकते हैं। नीम में मौजूद एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल, एंटीवायरल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं रोजाना नीम के पत्ते खाने से शरीर में कौन–कौन से बदलाव आते हैं?

खाली पेट नीम के पत्ते खाने के बड़े फायदे

इम्यूनिटी होती है मजबूतः नीम के पत्ते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे सर्दी–खांसी, वायरल और मौसमी बीमारियों का खतरा कम होता है।

खून साफ करने में मददगारः नीम के एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करते हैं, जिससे खून साफ रहता है और शरीर डिटॉक्स होता है।

स्किन रहती है हेल्दी और ग्लोइंगः नीम के नियमित सेवन से पिंपल्स, दाग–धब्बे और स्किन इंफेक्शन की समस्या कम होती है। त्वचा साफ और चमकदार बनती है।

ओरल हेल्थ को मिलता है फायदाः सुबह नीम के पत्ते चबाने से दांत साफ रहते हैं, मुंह की बदबू दूर होती है और मसूड़ों की समस्याओं में राहत मिलती है।

जोड़ों के दर्द में राहतः नीम के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

नीम खाते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

रोजाना 5 से 6 नीम के पत्ते ही खाएं

सेवन से पहले पत्तों को अच्छी तरह धो लें

जरूरत से ज्यादा नीम खाने से नुकसान भी हो सकता है।

किन लोगों को नीम के पत्ते नहीं खाने चाहिए?

गर्भवती महिलाएं

स्तनपान कराने वाली महिलाएं

खून पतला करने की दवाएं लेने वाले लोग

इन लोगों को नीम के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

संक्षिप्त

300 अरब डॉलर का होगा ई–कॉमर्स बाजार

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू ई–कॉमर्स बाजार का आकार 2030 तक करीब 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। बोस्टान कंस्ल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ई–कॉमर्स की तेज वृद्धि के बावजूद ऑफलाइन रिटेल मार्केट मजबूत बना हुआ है। यह पिछले चार वर्षों में 13–14 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है। बाजार ऑनलाइन और ऑफलाइन रिटेल के बीच सह–अस्तित्व के चरण में प्रवेश कर रहा है। इसमें मल्टी–चैनल खरीदारी करने वालों के लिए एक सामान्य बात बन गई है। 10 में से पांच ऑफलाइन खरीदार खरीदारी के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन चौनलों का उपयोग करते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत में वर्तमान में लगभग 30 करोड़ ऑनलाइन खरीदार हैं, जिनके 2030 तक 44 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत ऑनलाइन खरीदार ग्रामीण भारत से हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ई–कॉमर्स में ई–रिटेल और ई–सेवाएं शामिल हैं। इनका अनुमानित मूल्य क्रमशः 75–85 अरब डॉलर और 45–55 अरब डॉलर है। ई–सेवाओं की वृद्धि दर 20–22 प्रतिशत रहेगी, जबकि ई–रिटेल की वृद्धि दर 16–18 प्रतिशत रहेगी। विभिन्न क्षेत्रों के 12,000 से अधिक उपभोक्ताओं के सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि आजकल खरीदार सुविधा, विश्वास और आवश्यकता के आधार पर स्क्रीन और स्टोर के बीच सहजता से आवागमन करते हैं, ऑनलाइन खोज करते हैं, ऑफलाइन खरीदारी करते हैं और ऑफलाइन खरीदारी करते हैं। लगभग दो–तिहाई महिला खरीदारों का कहना है कि वे ऑनलाइन खरीदारी को अधिक सुरक्षित मानती हैं। इसका कारण गोपनीयता, सुगम पहुंच और किसी भी समय स्वतंत्र रूप से खरीदारी करने की क्षमता है। बीसीजी की पार्टनर और डायरेक्टर कनिका सांघी ने कहा कि भारत के खरीदार अधिक विविधतापूर्ण होते जा रहे हैं। उपभोक्ता अपनी आवश्यकताओं और परिपक्वता के अनुसार विभिन्न प्रारूपों का उपयोग कर रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारों का जनसांख्यिकीय मिश्रण अधिक लोकतांत्रिक होता जा रहा है। इसलिए प्लेटफॉर्म और ब्रांडों को सभी टचपॉइंट्स पर सरल, सुरक्षित और अधिक सहज अनुभव प्रदान करने होंगे। क्विक कॉमर्स में 100 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर वृद्धि हुई है, जिससे तत्काल और टॉप–अप खरीदारी मुख्यधारा बन गई है और खरीदारी की आवृत्ति में वृद्धि हुई है, जबकि सोशल और चौट कॉमर्स में 40–45 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि ऑनलाइन ब्रांडों को 100 करोड़ रुपए के वार्षिक राजस्व तक पहुंचने में लगने वाला समय लगभग 11 साल से घटकर लगभग 7 साल हो गया है।

हिंसा के बीच एयरपोर्ट पर फंसा इंजीनियर, कंपनी ने बुक की अमेरिका जाने वाली हर फ्लाइट

नई दिल्ली,एजेंसी। मैक्सिको के कई हिस्सों में रविवार को हिंसा भड़क गई, जब कुख्यात ड्रग सरगना एल मेंचो के मारे जाने की खबरें सामने आईं। हालात बिगड़ने से सड़कों पर यातायात ठप हो गया और देश के कई व्यस्त हवाई अड्डों पर अफरातफरी के बीच उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इस उथल–पुथल के बीच अमेरिका की क्लाउड प्लेटफॉर्म कंपनी वर्सेल ने अपने एक कर्मचारी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए विशेष इंतजाम किए। कंपनी ने ग्वाडलाहारा से अमेरिका जाने वाली उपलब्ध सभी उड़ानों में सीटें बुक कर दीं, ताकि उनका कर्मचारी सुरक्षित देश से निकल सके। कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर एंड्रयू बार्बा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि हिंसा बढ़ने के दौरान वह अपनी पत्नी के साथ ग्वाडलाहारा एयरपोर्ट पर मौजूद थे और हालात बिगड़ने पर दोनों को एयरपोर्ट के एक शौचालय में शरण लेनी पड़ी। इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर थी और कई फ्लाइट्स रद्द हो चुकी थीं, जिससे स्थिति अनिश्चित बनी हुई थी। इस बीच अमेरिका में मौजूद वर्सेल की लीडरशिप टीम ने तेजी से कदम उठाते हुए अमेरिका जाने वाली हर संभावित फ्लाइट की टिकट बुक कर दी, ताकि किसी भी उपलब्ध उड़ान से कर्मचारी को सुरक्षित निकाला जा सके। आखिरकार उनकी रणनीति सफल रही और बार्बा अपनी पत्नी के साथ एक उड़ान से डलास, टेक्सास सुरक्षित पहुंच गए। करीब तीन साल से कंपनी के साथ जुड़े बार्बा ने इस संकट के दौरान कंपनी के असाधारण सहयोग के लिए आभार जताया। घटना के बाद सोशल मीडिया पर कंपनी की त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है, जबकि कई यूजर्स ने कर्मचारी के सुरक्षित बाहर निकलने पर राहत जताई।

विंडीज की बड़ी जीत से भारत पर बढ़ा दबाव, दो धमाकेदार जीत अब अनिवार्य, समीकरण

नई दिल्ली,एजेंसी। वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर–8 मुकाबले में जिम्बाब्वे पर 107 रनों की विशाल जीत दर्ज कर सेमीफाइनल की रेस में मजबूत दावेदारी पेश की। सोमवार को मुंबई के वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में कैरेबियाई बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। 107 रन की बड़ी जीत के साथ वेस्टइंडीज सुपर–8 ग्रुप–1 में 5.35 के बेहतरीन नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, जिम्बाब्वे का नेट रन रेट –5.35 है। वेस्टइंडीज की स्थिति मजबूत है और उनका नेट रन रेट ऐसा है कि उसे कम करने या किसी और टीम को उसकी बराबरी करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा। एक और बड़ी जीत उन्हें 2016 के बाद पहली बार टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में भेजने के लिए काफी होगा। अब वेस्टइंडीज का मुकाबला दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका से है। दक्षिण अफ्रीका का नेट रन रेट 3.80 है। इन दोनों के बीच मुकाबला दिलचस्प होगा क्योंकि हारने वाली टीम के लिए रास्ता कठिन होगा। हालांकि, यह भारत जितना कठिन नहीं होगा। भारत के लिए स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई है। अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका से 76 रनों की करारी हार के बाद भारत का नेट रन रेट –3.80 है, जो ग्रुप में जिम्बाब्वे के बाद सबसे खराब है। भारत को अब अपने बचे हुए दोनों मुकाबले, 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और एक मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ, हर हाल में जीतने होंगे। हालांकि सिर्फ जीत काफी नहीं होगी, क्योंकि कमजोर नेट रन रेट भारत की राह में बड़ी बाधा बन सकता है। भारत को अब वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने दोनों शेष मुकाबले जीतने होंगे। जिम्बाब्वे से भारत का सामना 26 फरवरी को चेन्नई में और वेस्टइंडीज से भारत का सामना एक मार्च को कोलकाता में है। यदि भारत दोनों मैच जीतता है, तो उसके चार अंक हो जाएंगे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका अपने दोनों मैच जीतता है तो उसके छह अंक होंगे और टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। ऐसे में भारत के लिए चार अंक सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त होंगे। क्योंकि बाकी दोनों टीमें अधिकतम दो–दो अंक तक ही रह पाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने का यह सबसे आसान समीकरण है। हालांकि, सबसे बड़ा पेच तब फंसेगा, यदि वेस्टइंडीज दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है। इस स्थिति में भारतीय टीम को अपने दोनों मैच जीतने के साथ–साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि जिम्बाब्वे भी दक्षिण अफ्रीका को हराए। इस स्थिति में द. अफ्रीका महज दो अंक के साथ बाहर हो जाएगा। फिर वेस्टइंडीज और भारत सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे। अगर वेस्टइंडीज की टीम द. अफ्रीका को हराती है और फिर दक्षिण अफ्रीका की टीम जिम्बाब्वे को हराती है और भारत भी अपने दोनों मैच जीतता है तो भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज तीनों के चार–चार अंक होंगे और तब फैसला नेट रन रेट से होगा। भारत का मौजूदा नेट रन रेट (–3.800) काफी कमजोर है, इस स्थिति में भारत को बाकी दोनों मैचों में बड़ी जीत की जरूरत होगी। जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज दोनों पर 60–70 रन की जीत ही टीम इंडिया को नेट रन रेट में ड्राइवर सीट पर बैठा सकती है। अगर भारत सिर्फ एक मुकाबला जीत पाता है, तो स्थिति और जटिल हो जाएगी। दक्षिण अफ्रीका को अपने बाकी दोनों मैच जीतने होंगे। इस स्थिति में भारत की जीत वेस्टइंडीज के खिलाफ ही होनी चाहिए और वह भी 80 रन के आसपास। तब भारत, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे तीनों के 2–2 अंक हो सकते हैं। तब एक बार फिर नेट रन रेट ही निर्णायक कारक बनेगा। अगर अब भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ जीतता है और वेस्टइंडीज से हारता है तो टीम इंडिया सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी। इस स्थिति में दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज क्वालिफाई कर जाएंगे। बहरहाल, वेस्टइंडीज की एकतरफा जीत ने सुपर–8 के समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। जहां कैरेबियाई टीम सेमीफाइनल के करीब पहुंच चुकी है, वहीं भारत के सामने 'करो या मरो' जैसी स्थिति बन गई है। नेट रन रेट का भारी अंतर भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता बन गया है। नेट रन रेट के मामले में अब वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की बराबरी करना बेहद मुश्किल है। स्पष्ट है कि अब भारत की किस्मत पूरी तरह उसके अपने हाथ में नहीं रही। जिम्बाब्वे का भी कुछ यही हाल है। जिम्बाब्वे, जिसने ग्रुप चरण में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंकाया था, वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दबाव में बिखर गया। पारी की शुरुआत में ही तीन ओवर के अंदर टीम 20 रन पर तीन विकेट गंवा बैठी। वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन की गेंदबाजी ने शुरुआती झटके दिए और टीम उबर नहीं सकी। 26 फरवरी को भारत और जिम्बाब्वे के बीच टक्कर से स्थिति कुछ हद तक साफ होगी। मैच की बात करें तो वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 254 रन बनाए, जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। सपाट पिच पर पावर–हिटिंग का ऐसा प्रदर्शन देखने को मिला जिसने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। हालांकि, ब्रैड इवांस ने 21 गेंदों में 43 रन बनाकर कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन पूरी टीम 18वें ओवर में 147 रन पर सिमट गई। इस तरह वेस्टइंडीज ने 107 रनों से मुकाबला अपने नाम किया।

टी20 विश्वकप जीतने का बन रहा गजब का संयोग! 2007 की तरह इस बार भी हुआ ऐसा

नई दिल्ली,एजेंसी। टी20 विश्वकप 2026 में फिलहाल टीम इंडिया की हालत अच्छी नहीं है। भारत को सुपर–8 के अपने पहले मुकाबले में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 76 रन से मिली इस हार से भारतीय टीम का नेट रन रेट भी बिगड़ गया। हालांकि, एक ऐसा संयोग बन रहा है, जो बताता है कि टीम इंडिया अभी भी विश्व चौंपियन बन सकती है। उसमें वापसी करने और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने का दमखम है। हालांकि, क्या ऐसा हो पाएगा, यह तो वक्त ही बताएगा। फैंस इस संयोग को सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं। आइए पहले जानते हैं कि वह संयोग क्या है। भारत ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान को हराया, जबकि ग्रुप स्टेज में ही जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी। भारत का नेट रन रेट –3.80 हो चुका है। सुपर–8 में उसके अगले दो मैच 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ और एक मार्च को वेस्टइंडीज से है। भारत को सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने के लिए दमदार जीत और अच्छी किस्मत की जरूरत है। साल 2007 में भी टी20 विश्वकप खेला गया था और महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने खिताब पर कब्जा जमाया था। उस साल भी भारत ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। टीम इंडिया ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहा था और सुपर–8 में पहुंचा था। इसके बाद टीम इंडिया को सुपर–8 में अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से शिकस्त मिली थी। कीवियों ने 10 रन से हराया था। हालांकि, इसके बाद भारत ने अपने अगले दो मैच इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीते थे और सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारत सुपर–8 में अपने ग्रुप में टॉप पर रहा था। उसके अलावा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के भी 4–4 अंक थे, लेकिन किस्मत ने भी टीम इंडिया का साथ दिया था।

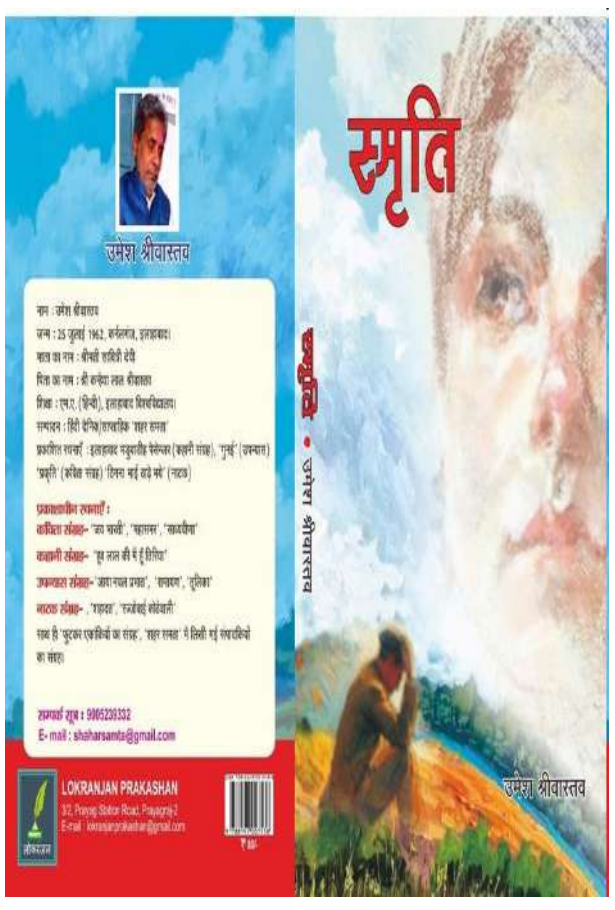

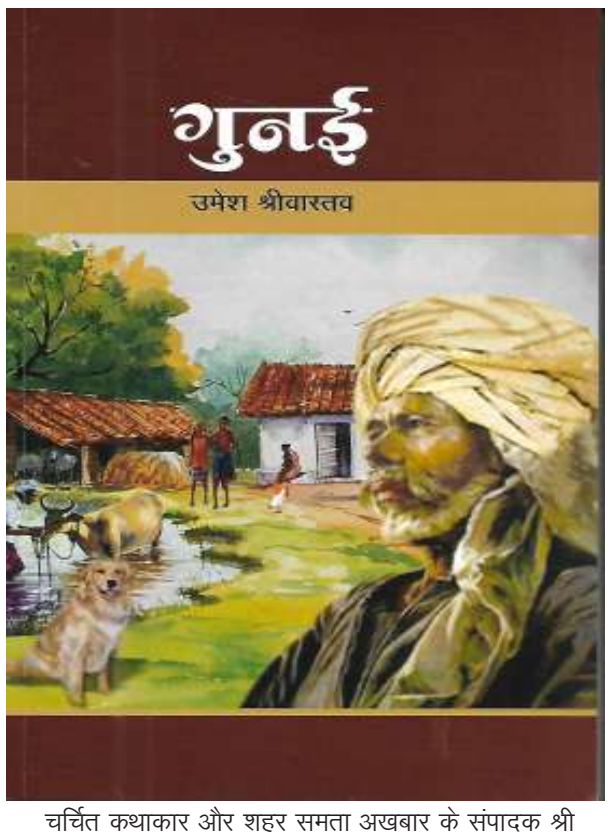

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

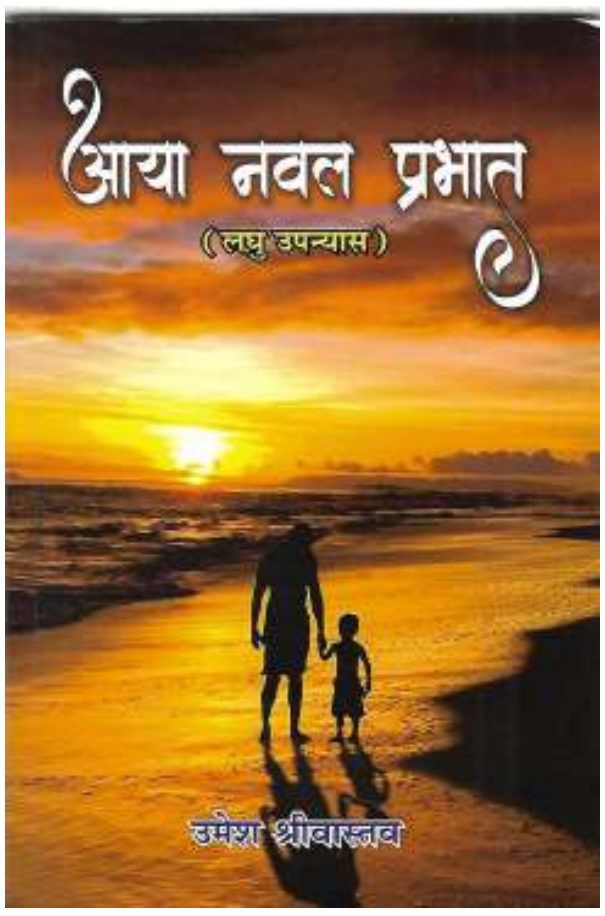

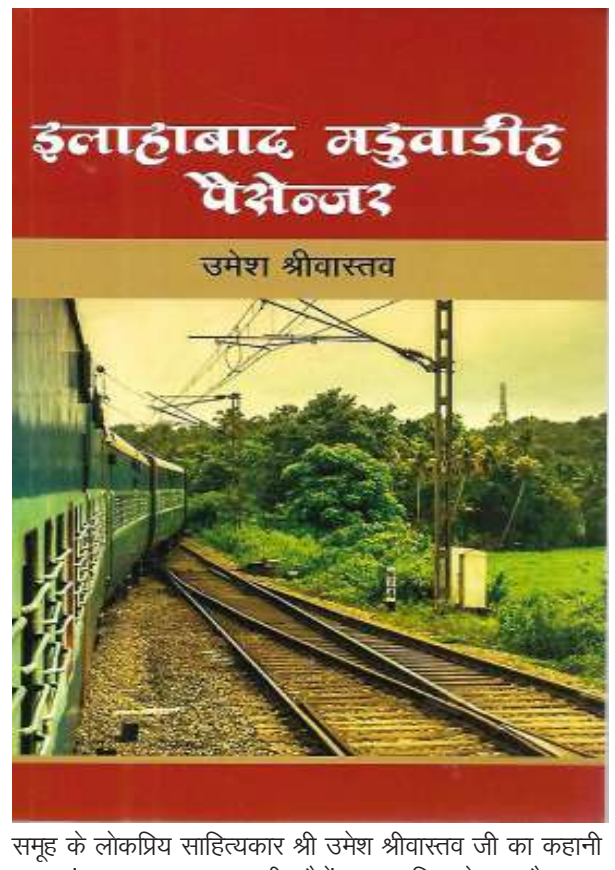

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

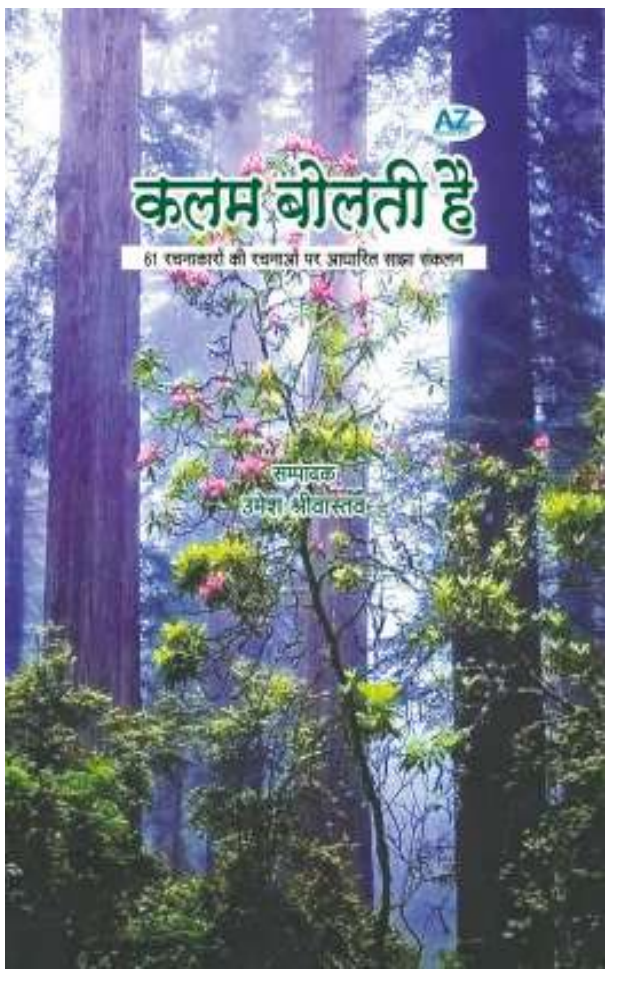

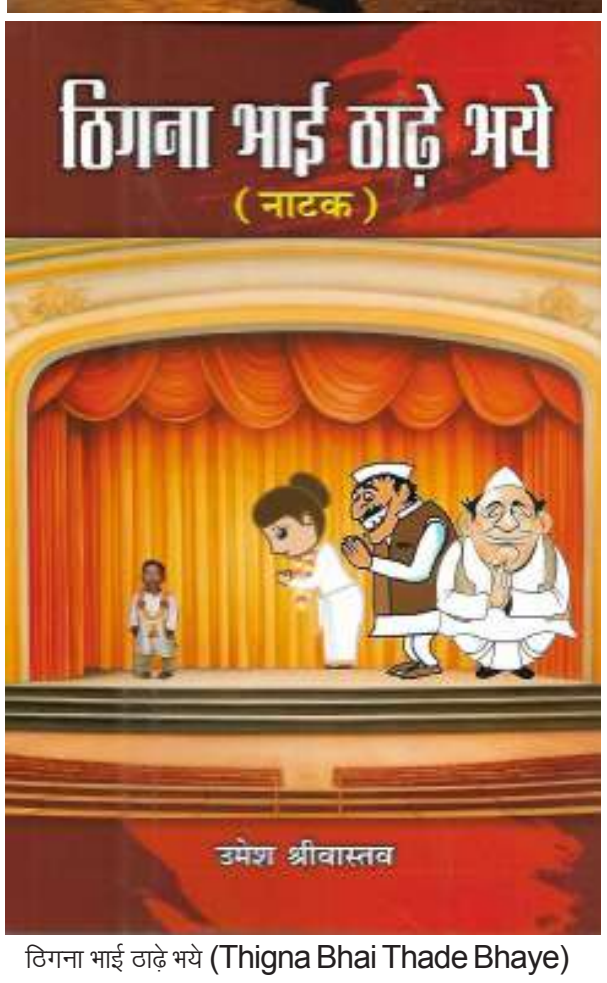

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द, कई राज्यों में आपातकाल घोषित

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक शक्तिशाली बर्फीले तूफान ने कहर बरपाया है। मैरीलैंड से लेकर मेन तक के इलाके भारी बर्फ की चादर में ढक गए हैं। इस भीषण मौसम के कारण शनिवार से मंगलवार के बीच 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अकेले सोमवार को 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने इसे एक दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया है, जिसे श्बम चक्रवातश कहा जा रहा है। श्बम चक्रवात तब होता है जब 24 घंटे की अवधि में तूफान का दबाव एक निश्चित मात्रा में गिर जाता है। यह मुख्य रूप से शरद ऋतु और सर्दियों में होता है जब आर्कटिक की बर्फीली हवा दक्षिण तक पहुंचकर गर्म तापमान से टकराती है।श कई इलाकों में दो फीट (60 सेंटीमीटर) से ज्यादा बर्फबारी हुई है। रोड आइलैंड के वारविक में तो तीन फीट से ज्यादा बर्फ गिरी है। तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स समेत कई राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। तूफान का असर इतना ज्यादा है कि संयुक्त राष्ट्र को अपनी सुरक्षा परिषद की बैठक स्थगित करनी पड़ी और मुख्यालय बंद करना पड़ा। न्यूयॉर्क शहर में छह साल में पहली बार बर्फबारी के कारण स्कूल बंद किए गए। हालांकि, मेयर जोहरान ममदानी ने मंगलवार से स्कूल खोलने की बात कही है, जिसका कुछ अधिकारियों ने विरोध किया है। परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रेल और बस सेवाएं निलंबित हैं। सड़कों पर फिसलन और कम दृश्यता के कारण यात्रा करना बेहद खतरनाक हो गया है। प्रशासन ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। डोरडैश जैसी डिलीवरी सेवाओं ने भी अपना काम रोक दिया है। तूफान के कारण बिजली व्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ा है। पावरआउटेज डॉट यूएस के मुताबिक, पूर्वी तट पर 5,70,000 से ज्यादा घरों और व्यवसायों की बिजली गुल हो गई है। मैसाचुसेट्स और न्यू जर्सी में स्थिति सबसे खराब है। तेज हवाओं के कारण बिजली बहाल करने में कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, कुछ लोग इस मौसम का आनंद भी ले रहे हैं। टाइम्स स्क्वायर पर पर्यटक नाचते हुए दिखे, तो कुछ लोग स्लेजिंग का मजा लेते नजर आए। लेकिन मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है। एक और तूफान इस सप्ताह के अंत में आ सकता है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। प्रशासन ने नेशनल गार्ड को तैनात कर दिया है और राहत बचाव का काम जारी है।

संक्षिप्त

बांग्लादेश में पुलिस के ड्रग विरोधी अभियान के दौरान भड़की हिंसा, पत्रकार और कई छात्र घायल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पुलिस के ड्रग विरोधी अभियान के तहत हिंसा भड़क गई। इस हिंसा में पत्रकार और कई छात्र घायल हो गए हैं। हिंसा के दौरान पुलिसकर्मी भी घायल हुए

हैं। दरअसल राजधानी ढाका स्थित सुहरावर्दी उद्यान में पुलिस ड्रग विरोधी अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हो गई। ढाका के रमना जोन के डिप्टी कमिश्नर मसूद के मुताबिक, सोमवार शाम को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के रमना जोन ने यह ऑपरेशन शुरू किया था, जिसमें सात से आठ लोगों को हिरासत में लिया गया और करीब 60 से 70 पुलिसवालों को तैनात किया गया।

कर्लिंग स्टोन: वैज्ञानिक नहीं समझ पाए बर्फ पर इसकी चाल, 100 वर्ष का शोध, फिर भी पत्थर के मुड़ने का राज अनसुलझा

एजेंसी/इटली में 22 फरवरी को हुए शीतकालीन ओलंपिक खेलों में खिलाड़ी हर दिन प्रकृति के नियमों को चुनौती देते दिखे। वैज्ञानिकों के लिए सबसे दिलचस्प खेल कर्लिंग बना। सौ साल से अधिक शोध के बावजूद विज्ञानी यह नहीं समझ पाए हैं कि भारी ग्रेनाइट कर्लिंग स्टोन बर्फ पर चलते हुए अपेक्षा के उलट दिशा में क्यों मुड़ जाते हैं। कर्लिंग बर्फ पर खेला जाने वाला एक शीतकालीन ओलंपिक खेल है, जिसे अक्सर बर्फ पर शतरंज भी कहा जाता है। इसमें ताकत से ज्यादा रणनीति, सटीक निशाने और टीमवर्क की भूमिका होती है। यह पहली बार 1924 में शामिल हुआ। यहीं से असली वैज्ञानिक उलझन शुरू होती है। आम तौर पर अगर आप किसी गोल वस्तु जैसे कटोरे को फर्श पर आगे की ओर धक्का देते हुए घड़ी की दिशा में घुमाएं, तो वह बाईं ओर मुड़ेगा। लेकिन कर्लिंग स्टोन ठीक इसका उलटा करता है। इस रहस्य को सुलझाने के लिए कोई सिद्धांत पूरी तरह निर्णायक साबित नहीं हुआ। कनाडाई सस्केचेवान विवि, सैसकटून में विंटर स्पोर्ट्स इंजीनियरिंग का शोध करने वाले सीन मॉ कहते हैं कि जब पत्थर घड़ी की दिशा में घूमता है, तो उसका रनिंग बैंड यानी नीचे की वह खुरदरी गोल पट्टी जो सीधे बर्फ के संपर्क में रहती है पेबल्ड सतह पर महीन खरोंचें बना देती है। 2016 में भौतिकविदों ने शोध पत्र छापा, जिसमें पिवटदृस्लाइड मॉडल पेश किया गया। इस सिद्धांत के मुताबिक पत्थर की पूरी घुमावदार यात्रा असल में कई बेहद छोटे–छोटे मूवमेंट्स से बनी होती है। अगर पत्थर घड़ी की दिशा में घूम रहा हो, तो उसके दाईं ओर का कोई बिंदु कभी–कभी बर्फ में अटक जाता है। इससे पत्थर हल्का सा घूमता है (पिवट करता है), फिर छूटकर आगे फिसल जाता है। यशोधा के सह–लेखक भौतिक विज्ञानी मार्क शिगेल्स्की हैं। यह पिवट स्लाइड मॉडल की परिकल्पना है।

हमले के लिए तैयार अमेरिका? लेबनान से गैर-जरूरी राजनयिकों को लौटने का आदेश मध्य-पूर्व में हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी ।डपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने सोमवार को आदेश जारी कर बेरूत स्थित अमेरिकी दूतावास से गैर–जरूरी राजनयिकों और उनके परिवारों को लेबनान छोड़ने के निर्देश दिए हैं। विभाग की ओर से जारी ट्रैवल अलर्ट में कहा गया है कि बेरूत की सुरक्षा स्थिति

को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। दूतावास में अब केवल आवश्यक कर्मी ही तैनात रहेंगे और उनके देश के भीतर आवागमन पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि दूतावास पूरी तरह बंद नहीं होगा और यह कदम अस्थायी है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्रीय सुरक्षा पर लगातार समीक्षा के बाद यह कदम एहतियातन उठाया गया है। लेबनान लंबे समय से ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला की गतिविधियों का केंद्र रहा है। अमेरिका पहले भी बेरूत में अपने ठिकानों पर हमलों का सामना कर चुका है। ऐसे में दूतावास से कर्मचारियों की वापसी को अक्सर संभावित सैन्य कार्रवाई के संकेत के रूप में देखा जाता है। पिछले वर्ष भी मध्य–पूर्व के कई देशों में इसी तरह का आदेश जारी किया गया था, ठीक उससे पहले जब तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से जुड़े ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई का निर्देश दिया था। अमेरिका ने हाल के हफ्तों में मध्य–पूर्व में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है। एक और एयरक्राफ्ट कैरियर क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि यदि ईरान परमाणु कार्यक्रम पर संतोषजनक समझौता नहीं करता, तो सैन्य विकल्प पर विचार किया जा सकता है। इसी बीच ओमान के विदेश मंत्री बदर अल–बुसैदी ने जानकारी दी है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगला परमाणु वार्ता दौर जिनेवा में होने की संभावना है। ईरान के वरिष्ठ राजनयिक अब्बास अराघची ने भी संकेत दिया है कि कूटनीतिक समाधान की संभावना अभी बनी हुई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत आ रहे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी: पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात, इन मुद्दों पर होगी अहम चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस हफ्ते भारत आ रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका के साथ कनाडा के व्यापारिक संबंधों में तनाव बना हुआ है। प्रधानमंत्री कार्नी गुरुवार को मुंबई पहुंचेंगे। यहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है क्योंकि पिछले कुछ समय से दोनों देशों के रिश्तों में खटास चल रही है। भारत दौरे से पहले मार्क कार्नी ने कहा, ष्एक अनिश्चित दुनिया में कनाडा उन चीजों पर ध्यान दे रहा है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं। हम अपने व्यापार को अलग–अलग देशों में फैला रहे हैं और बड़े पैमाने पर नया निवेश आकर्षित कर रहे हैं।ष उनका लक्ष्य अगले दशक में अमेरिका के अलावा दूसरे देशों के साथ कनाडा के निर्यात को दोगुना करना है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार कनाडा की अर्थव्यवस्था पर टैरिफ लगाने की धमकी देते रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाले सामान पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की ध मकी दी थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। पिछले साल भारत और कनाडा ने दो साल के तनावपूर्ण संबंधों के बाद एक व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई थी। साल 2024 में भारत, कनाडा का सातवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। दोनों देशों के रिश्तों में तनाव तब आया जब कनाडाई पुलिस ने जून 2023 में वैंकूवर के पास एक सिख कार्यकर्ता की हत्या में नई दिल्ली की भूमिका का आरोप लगाया था। कनाडा अकेला देश नहीं है जिसने भारतीय अधिकारियों पर विदेशी धरती पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। साल 2023 में अमेरिकी अभियोजकों ने भी कहा था कि एक भारतीय सरकारी अधिकारी ने न्यू यॉर्क में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की नाकाम साजिश का निर्देश दिया था। भारत के बाद कार्नी आस्ट्रेलिया के कैनबरा भी जाएंगे। वहां वह आस्ट्रेलिया की संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। ऐसा करने वाले वह 20 साल में पहले कनाडाई प्रधानमंत्री होंगे। वह आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से रक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।ए) जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। इसके बाद कार्नी टोक्यो के लिए रवाना होंगे। जापान में वह प्रधानमंत्री ताकाइची सनाई से मिलेंगे। इस बैठक में स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज और खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों पर बातचीत होगी।

कनाडाई पीएम कार्नी के भारत दौरे से पहले कनाडा का सख्त कदम, तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द करने की तैयारी

ओटावा, एजेंसी। भारत दौरे से पहले कनाडा सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान मूल के कारोबारी तहव्वुर राणा की कनाडाई नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राणा पर 2008 के मुंबई आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाने का आरोप है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है, जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा प्रस्तावित है। राणा 64 वर्ष का है और 1997 में कनाडा गया था। उसने 2001 में कनाडाई नागरिकता हासिल की थी। वह 26ध्11 हमले के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी माना जाता है। अप्रैल 2025 में उसे अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। नई दिल्ली पहुंचते ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। कनाडा के आव्रजन विभाग ने साफ किया है कि राणा की नागरिकता आतंकवाद के आरोप में नहीं, बल्कि गलत जानकारी देने के आधार पर रद्द की जा रही है। विभाग के मुताबिक, राणा ने अपने आवेदन में झूठ बोला था। उसने दावा किया था कि वह चार साल तक ओटावा और टोरंटो में रहा और सिर्फ छह दिन देश से बाहर गया।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की जांच में सामने आया कि राणा उस अवधि में ज्यादातर समय शिकागो में था। वहां उसके कई कारोबार और संपत्तियां थीं। जांच एजेंसियों ने इसे गंभीर और जानबूझकर किया गया धोखा बताया। विभाग ने कहा कि इस गलत जानकारी के कारण उसे नागरिकता मिल गई, जबकि वह पात्र नहीं था। कनाडा सरकार ने इस मामले को फेडरल कोर्ट में भेज दिया है। अंतिम फैसला अदालत ही करेगी। राणा के वकील ने इस फैसले को चुनौती दी है और कहा है कि यह उसके अधिकारों का उल्लंघन है। पिछले सप्ताह इस मामले में सुनवाई भी हुई। सरकार ने अदालत से कुछ संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा जानकारी सार्वजनिक न करने की अनुमति मांगी है। आव्रजन विभाग ने कहा कि नागरिकता रद्द करना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन कानून की साख बनाए रखना जरूरी है। विभाग के अनुसार, पिछले दस वर्षों में ऐसे बहुत कम मामले सामने आए हैं। अब फेडरल कोर्ट तय करेगा कि राणा ने नागरिकता धोखे से हासिल की या नहीं।

कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई: संदिग्ध ड्रग नाव पर हमला, तीन की मौत, ट्रंप अभियान पर फिर उठे सवाल

वॉशिंगटन,एजेंसी। कैरेबियाई सागर में अमेरिकी सेना ने सोमवार को एक कथित ड्रग तस्करी वाली नाव पर हमला किया। इस कार्रवाई में तीन लोगों की मौत हुई। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि यह हमला मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन ने सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था। तब से अब तक ऐसी कार्रवाइयों में कम से कम 151 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिकी सेना का कहना है कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई थी कि नाव कैरेबियाई क्षेत्र में तस्करी के रास्ते पर चल रही थी। सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें एक छोटे इंजन वाली नाव को नष्ट होते दिखाया गया। हालांकि यह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया गया कि नाव में वास्तव में ड्रग्स थे या नहीं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। उनके अनुसार यह कार्रवाई अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति रोकने के लिए जरूरी है। ट्रंप प्रशासन ऐसे समूहों को "नार्को–आतंकी" कहता है और सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराता है। इन हमलोंकी कानूनी स्थिति पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में इस तरह की सैन्य कार्रवाई की वैधता स्पष्ट नहीं है। पहले भी खुलासा हुआ था कि शुरुआती हमले के बाद बचे लोगों को दोबारा निशाना बनाया गया। इस पर डेमोक्रेटिक नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में फैली फेंटेनिल संकट की जड़ें मुख्य रूप से मैक्सिको से आने वाली तस्करी में हैं। यह ड्रग रसायनों के जरिए तैयार होती है, जिनमें कुछ सामग्री चीन और भारत से आती है। आलोचकों का तर्क है कि समुद्र में छोटी नावों पर हमले समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। सितंबर से अब तक 40 से अधिक हमलों में 151 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। प्रशासन इसे सुरक्षा की जरूरत बता रहा है, जबकि विरोधी दल इसे मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून का मुद्दा बना रहे हैं। कैरेबियाई क्षेत्र में यह अभियान अब अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है।

सुप्रीम फैसले के बावजूद वसूला जा रहा ट्रंप का अवैध टैरिफ, अमेरिकी आयातकों पर बढ़ा 8.2 अरब डॉलर का दबाव

लव गौर, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ को अवैध करार देने के बावजूद, अमेरिकी आयातकों

को देश में आ रहे माल पर शुल्क चुकाना पड़ रहा है। कारण यह है कि यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) ने अब तक अपने कार्गो सिस्टम मैसेजिंग सर्विस (सीएसएमएस) में जरूरी तकनीकी बदलाव लागू नहीं किए हैं। सीबीपी की इस देरी का सीधा असर हजारों कंटेनरों पर पड़ा है। ट्रेड डेटा प्लेटफॉर्म विजन के अनुसार शुक्रवार से रविवार के बीच अमेरिकी बंदरगाहों पर पहुंचे लगभग 2,11,000 कंटेनर जिनकी कुल अनुमानित कीमत करीब 8.2 अरब डॉलर है, अब भी इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ के दायरे में आ रहे हैं। सुप्रीम फैसले के बाद भी सीबीपी ने कार्गो प्रणाली सेवा को अपडेट नहीं किया है। रोजर्स एंड ब्राउन कस्टम ब्रोकर्स की ऑपरेशंस डायरेक्टर लॉरी मुलिन्स के मुताबिक कस्टम्स ने अभी तक आईईईपीए टैरिफ कोड रिपोर्ट करने की अनिवार्यता नहीं हटाई है। जब तक सिस्टम में बदलाव नहीं होता, माल की रिलीज के लिए ये टैरिफ दर्ज करना जरूरी बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी आयातों पर तत्काल प्रभाव से 15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लागू करने के फैसले ने यूरोप में गहरी चिंता पैदा कर दी है। यूरोपीय संघ (ईयू) और ब्रिटेन के अधिकारियों ने इसे वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया है। यूरोपीय संसद की व्यापार समिति ने इसे अमेरिकी प्रशासन की शुद्ध टैरिफ अराजकता करार दिया ।ब्रसेल्स ने साफ संकेत दिया है कि अमेरिका के साथ पिछले वर्ष हुए व्यापार समझौते अब खतरे में पड़ सकते हैं। सीएनबीसी के अनुसार यूरोप और लंदन में अधिकारियों ने वैश्विक व्यापार संबंधों में इस नए उलटफेर पर हैरानी और चिंता जताई। उनका कहना है कि ट्रंप की नई नीति पिछले साल अमेरिका के साथ किए गए व्यापार समझौतों को कमजोर कर सकती है। यूरोपीय संघ के अधिकांश निर्यात पहले ही 15 प्रतिशत शुल्क के दायरे में हैं, जबकि ब्रिटेन के उत्पादों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगता है। अब दोनों पक्षों ने व्हाइट हाउस से स्पष्ट करने को कह है कि नई नीति उनके मौजूदा समझौतों को व्यवहार में कैसे प्रभावित करेगी।

एपस्टीन मामले में ब्रिटेन पुलिस की दूसरी कार्रवाई, पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। एपस्टीन मामले में ब्रिटिश शाही परिवार से जुड़ी पहली गिरफ्तारी के बाद ब्रिटेन पुलिस ने दूसरी बड़ी कार्रवाई की है। ब्रिटेन की पुलिस ने एपस्टीन फाइल के खुलासों के बाद कदाचार के संदेह में अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत पीटर मैंडेलसन को गिरफ्तार किया है। ब्रिटिश पुलिस ने यह गिरफ्तारी दोषी यौन अपराधी एपस्टीन से उनके संबंधों के खुलासे के बाद की गई। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस फोर्स ने कहा कि श्अधिकारियों ने उत्तरी लंदन के एक पते से सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार के संदेह में 72 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।